RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 290 ता. 29 अप्रेल 2021, गुरूवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

देश के 150 जिलों लॉकडाउन में की आहट

नई दिल्ली। देश में हर रोज कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी के मद्देनजर केंद्र सरकार देश के उन 150 जिलों में लॉकडाउन पर विचार कर रही है जहां संक्रमण दर 15 फीसद से ज्यादा है। हालांकि यह फैसला संबंधित राज्यों से विचार-विमर्श के बाद ही लिया जाएगा। मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लॉकडाउन की सिफारिश की गई थी। मंत्रालय का मानना है कि अभी संक्रमितों का आंकड़ा और पॉजिटिविटी रेट को नियंत्रित करना आवश्यक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने की लॉकडाउन की सिफारिश

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया है कि जिन 150 जिलों में 15 फीसद से अधिक संक्रमण दर है, वहां आवश्यक सेवाओं में छूट के साथ लॉकडाउन लगाना होगा अन्यथा स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ जाएगा। बता दें कि महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु सहित देश के आठ राज्यों में संक्रमण के मामले 69 फीसद हैं। लॉकडाउन के मद्देनजर प्रभावित जिलों से संबंधित राज्यों से इस पर विचार लिया जाना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते 24 घंटों में देश में कोरोना के जो नए मामले सामने आए हैं उनमें से 69.1 फीसद मामले सर्वाधिक प्रभावित दस राज्यों के हैं। इन राज्यों में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, बंगाल, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान हैं। महाराष्ट्र में सबसे अधिक नए मामले 48,700 दर्ज किए गए हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 33,551 और कर्नाटक में 29,744 नए मामले सामने आए। बीते 24 घंटों में 3,285 लोगों की मौत हुई उनमें सर्वाधिक 895 लोग महाराष्ट्र के हैं। इसके बाद दिल्ली में 381, उत्तर प्रदेश में 264, छत्तीसगढ़ से 246, कर्नाटक में 180, गुजरात में 170 और राजस्थान में 121 लोगों की मौत हुई।

असम में आया 6.4 तीव्रता का बड़ा भूकंप

बंगाल-मेघालय समेत कई इलाकों में महसूस किए गए झटके

असम में आया बड़ा भूकंप। महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.4 मापी गई है।
असम में आज सुबह 751 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप असम के सोनितपुर में आया।

गुवाहाटी। इस वक्त असम से एक बड़ी खबर आ रही है। असम में आज सुबह एक बड़ा भूकंप आया। असम में आज सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप के झटकों की तीव्रता 6.4 मापी गई है। नेशनल सेंटर ऑफ़ सिस्मोलॉजी ने बताया कि असम में आज सुबह 7 बजकर 51 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इस भूकंप से असम हिल गया है। फिलहाल जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

तीन झटके महसूस किए गए, बंगाल-मेघालय तक पहुंचा भूकंप !

इस भूकंप का केंद्र सोनितपुर था और ये भूकंप 17 किलोमीटर की गहराई पर सुबह 7.51 बजे आया ।

समाचार एजेंसी पीटीआइ के मुताबिक, जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, असम में एक के बाद एक तीन भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिनमें से 6.4 तीव्रता का भूकंप सबसे तेज था। भूकंप के ये तेज झटके असम के साथ मेघालय और दक्षिणी बंगाल में भी महसूस किए गए।

मुख्यमंत्री की हालात पर नजर

असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने असम में आए तेज भूकंप पर कहा कि असम में बड़ा भूकंप आया है। मैं सभी की भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं और सभी से सतर्क रहने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं सभी जिलों से इसको लेकर अपडेट ले रहा हूं। भूकंप के झटके के बाद अब असम से नुकसान की तस्वीरें सामने आने लगी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दो तस्वीरें शेयर की है। इसमें भूकंप के तेज झटकों से होने वाला नुकसान दिख रहा है। तस्वीरों में घर की दीवारें टूटकर जमीन पर गिरी नजर आ रही हैं।

सिलीगुड़ी समेत अन्य इलाकों में भूकंप के झटके, लोग घरों से बाहर निकले-पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार सिलीगुड़ी समेत उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों में बुधवार सुबह 7ः55 पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिस समय भूकंप के झटके महसूस किए गए उस समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सोए हुए थे। उसके बाद चारों तरफ भूकंप भूकंप का शोर मचना शुरु हो गया। अफरा तफरी का माहौल कुछ समय के लिए देखा जा रहा था। जो जहां थे वही सुरक्षित स्थानों पर अपने आप को छुपाने की कोशिश करने लगे। करीब 20 सेकंड तक कंपन महसूस होने के बाद स्थिति सामान्य हुई।

कच्चे माल की कीमतों में तेजी से दवा उत्पादन का खर्च 5 से 20 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। देश में दवाओं के कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से आने वाले दिनों में इनके दाम में भी इजाफा होने के आसार बनने लगे हैं। 'हिन्दुस्तान' को उद्योग जगत के सूत्रों के जरिए जानकारी मिली है कि पैरासिटामॉल जैसी दवा के कच्चे माल में करीब 20 फीसदी का इजाफा देखा गया है। दवा उत्पादन से जुड़े कारोबारी के मुताबिक विटामिन, बुखार, सर्दी और बीपी, शुगर जैसी दवाओं के कच्चे माल के दाम इस महीने करीब 5 से 20 फीसदी तक बढ़े हैं। इसके पीछे वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ दवाओं की जरूरत कोरोना की वजह से बढ़ी है। वहीं, बाकी जरूरी दवाएं लोग लॉकडाउन जैसी परिस्थितियों के डर से पहले से ही इकट्ठा रख लेना चाहते हैं, इसलिए मांग बढ़ गई है। मांग बढ़ने की वजह से उत्पादकों को कच्चा माल बड़े

पैमाने पर खरीदना पड़ रहा है। यही वजह है कि मांग और आपूर्ति का समीकरण बिगड़ने के चलते दाम चढ़ने शुरू हो गए हैं। कच्चा माल महंगा होने के साथ साथ दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें भी बढ़ रही हैं। उद्योग जगत इस बारे में राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए से संपर्क कर हस्ताक्षेप की मांग करने पर विचार कर रहा है ताकि महामारी की दशा में लोगों पर महंगी दवा का बोझ न पड़े।

दवाओं और कच्चे माल का संकट नहीं-पटेल

भारतीय औषधि उत्पादक संघ के महासचिव दारा पटेल ने 'संवाददाता' से बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में देश में दवाओं की कोई कमी नहीं है, न ही कच्चे माल का कोई संकट है। कुछ दिनों पहले रेमडेसिविर जैसी दवाओं को लेकर मुश्किल जरूर आई थी, लेकिन अब ये सब भी सरकारी हस्ताक्षेप से हल किया जा रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का सख्त आदेश

मनमानी कर रहे अस्पतालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कुछ अस्पतालों में नियत दर से अधिक मनमाने ढंग से शुल्क वसूला जा रहा है। इसकी भर्त्सना होनी चाहिए। डॉक्टर को भगवान का दर्जा है। पीड़ित और उसके परिजनों की बद्दुआ नहीं लेनी चाहिए। निजी अस्पतालों में मनमानी वसूली को हर हाल में रोका जाए। सभी चिकित्सा संगठनों से अपील है, ऐसे लोगों की सार्वजनिक निंदा की जाए। ऐसे अस्पतालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों, इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और नर्सिंग होम एसोसिएशन के साथ बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईएमए के चिकित्सकों और नर्सिंग होम एसोसिएशन के विशेषज्ञों द्वारा मण्डलायुक्तों, अपर निदेशक स्वास्थ्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए प्रत्येक जिले में कोविड व नॉन कोविड रोगियों के लिए टेलीकंसल्टेशन की व्यवस्था की जाए। ऑक्सीजन का दुरुपयोग हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में कोविड संक्रमित व्यक्तियों के लिए डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध रहे।

दोगुनी होगी जांच क्षमता-

यही हाल रेमडेसिविर का भी है। सभी जिलों में यह जीवनरक्षक दवा उपलब्ध कराई गई है लेकिन कुछ जमाखोरों और कालाबाजारी के कारण इसका कृत्रिम अभाव बनाने की कोशिश की गई।

आरटीपीसीआर टेस्ट की क्षमता 10 मई 2021 तक दोगुनी की जाएगी। कुछ जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा कोविड अस्पताल में राउंड न लेने की बात जानकारी में आई है। यह उचित नहीं है। अगर डॉक्टर ही डर जाएगा तो मरीज का क्या होगा। हमें इस बारे में सोचना होगा। उन्होंने कहा, इस बार तीस से 50 गुना तेज संक्रमण है। हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा। कोविड-19 से लड़ाई, टीम वर्क और सामूहिक भावना के साथ समाज के प्रत्येक स्तर पर सभी के सहयोग व समन्वय से लड़नी होगी। उन्होंने कहा कि विगत 4-5 दिनों में कोरोना केसेज में गिरावट और रिकवरी की दर में वृद्धि एक सुखद संकेत है।

फोन पर सलाह की समय सारिणी बनेगी-मुख्यमंत्री ने कहा, मंडलायुक्त जिला प्रशासन और सीएमओ से संवाद बनाकर इन संगठनों के साथ मिलकर टेलीकन्सल्टेशन की व्यापक समय-सारिणी तैयार कराएं लेकिन बहुत से लोग जो घर पर रहते हुए ठीक हो सकते हैं, उन्होंने भी बेड आरक्षित कर रखा है। ऐसे लोगों का मार्गदर्शन जरूरी है। कोविड पॉजिटिव की मृत्यु पर उसे कतई लावारिस न माना जाए।

जमाखोरों पर सख्ती बढ़ेगी-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन संकट के नाम पर कुछ लोग अनावश्यक भय में जमाखोरी करने लगे हैं।

कोरोना के भारतीय वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी है देश में लगाई जा रही दोनों वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन

नई दिल्ली। देश में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच भारत में तेजी से कोरोना टीकाकरण भी चल रहा है। भारत में लोगों को लगाई जा रही दोनों वैक्सीन को लेकर एक अच्छी खबर सामने आ रही है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि भारत में लगाई जा रही दोनों ही कोरोना वैक्सीन-कोविशील्ड और कोवैक्सीन कोरोना के भारतीय स्वरूप(वैरिएंट) के खिलाफ प्रभावी है। भारत में कोरोना रोधी टीकाकरण में वर्तमान में इस्तेमाल की जा रही कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीके कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के खिलाफ प्रभावी हैं। टीकाकरण के बाद संक्रमण की स्थिति में हल्के लक्षण सामने आते हैं।वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के अंतर्गत आने वाले जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान (आइजीआइबी) के निदेशक अनुराग अग्रवाल ने एक अध्ययन के प्रारंभिक परिणामों के हवाले से कहा कि सार्स-सीओवी-2 के बी.1.617 स्वरूप पर टीकों के प्रभाव के आकलन से पता चलता है कि टीकाकरण के बाद संक्रमण होने पर बीमारी के लक्षण हल्के होते हैं। कोरोना वायरस के बी.1.617 स्वरूप को इंडियन स्ट्रेन या डबल म्यूटेंट भी कहा जाता है। अध्ययन में वायरस के इस स्वरूप पर भारत में इस्तेमाल किए जा रहे दोनों टीकों के प्रभावी होने की बात सामने आई है।

18 साल के ऊपर के लोगों के लिए आज से शुरू होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन-आज से देशभर में 18 साल की उम्र से ज्यादा लोगों के लिए टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए 18 से 44 साल की उम्र के लोगों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। बता दें कि रजिस्ट्रेशन करने के लिए आप कोविन पोर्टल या फिर आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

चुनाव ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की मौत पर आयोग से हाईकोर्ट का सवाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में पंचायत चुनाव के दौरान सरकारी कर्मचारियों की कोरोना से मौत को गम्भीरता से लेते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के क्रियाकलापों की कड़ी निंदा की है। कोर्ट ने आयोग व इसके 27 अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगते हुए उनसे पूछा है कि पंचायत चुनाव के दौरान कोविड गाइड लाइन का पालन करने में आयोग कैसे विफल रहा। कोर्ट ने कहा कि क्यों न उन्हें इसके लिए दंडित किया जाए। ऑक्सीजन संकट पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यह शर्म की बात है कि आज़ादी के सात दशक के बाद भी हम लोगों को

आक्सीजन नहीं दे पा रहे हैं ।

कोर्ट ने प्रदेश में कोरोना के बढते प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकार को दिन में दो बार हेल्थ बुलेटिन जारी करने का निर्देश दिया है। यह बुलेटिन लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, कानपुर नगर, गोरखपुर व झांसी मस्थित बड़े सरकारी अस्पतालों के सम्बंध में जारी में जारी किया जाए ताकि इससे लोगों को रोगियों के स्वास्थ्य की जानकारी मिल सके। कोर्ट ने अस्पतालों को लार्ज स्क्रीन का प्रयोग करने को कहा है ताकि लोग रोगियों का हाल जान सकें । कोर्ट ने सरकार को डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि कितने बेड आईसीयू व कोविड वार्ड में सरकारी या प्राइवेट अस्पतालों में हैं।

यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा एवं जस्टिस अजित कुमार की खंडपीठ ने कोरोना मामले की सुओ मोटो संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है । कोर्ट ने कहा कि केवल एंटीजेन की निगेटिव रिपोर्ट के आधार पर किसी रोगी को अस्पताल से छुट्टी नहीं दी जा सकती क्योंकि रोगी अन्य कारणों से भी संक्रमित हो सकता है। ऐसे में उसे एक सप्ताह के लिए नान कोविड वार्ड में शिफ्ट किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि कि सभी सरकारी व कोविड का इलाज कर रहे प्राइवेट अस्पतालों में रेमडेसिविर इन्जेक्शन व अन्य जरूरी दवाएं तथा आक्सीजन निर्बाध रूप से मिलती रहना चाहिए।

1 मई से कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के खिलाफ जंग के दायरे को बढ़ाते हुए 1 मई से टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत हो रही है। 1 मई से 18 साल से 45 साल के बीच के लोगों को टीका लगेगा। देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोग टीका लगवाने के लिए आज यानी 28 अप्रैल से कोविन पोर्टल या फिर आरोग्य सेतु ऐप पर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। बता दें कि देश में फिलहाल, 45 साल से अधिक लोगों को वैक्सीन दी जा रही है। 1 मई से देश में प्राइवेट अस्पतालों में भी वैक्सीन उपलब्ध रहेगी।

1 मई से शुरू होने वाले टीकाकरण में सरकारी स्वास्थ्य केंद्र के साथ-साथ निजी अस्पतालों को भी शामिल किया गया है। वर्तमान में 45 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। 18 से 44 साल की आयु के सभी लोगों के टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन आज यानी 28 अप्रैल से कोविन पोर्टल और आरोग्य सेतु एप पर शुरू होगा। टीकाकरण के लिए दस्तावेज प्रक्रिया पहले की तरह ही रहेगी। पंजीकरण कराते ही रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर कन्फर्मेशन आएगा, जिसे चेक करना होगा। अप्वाइंटमेंट मिलने के बाद वैक्सीन लगवाने के दौरान अपनी स्लिप और फोटो आईडी साथ लेकर जाना होगा।

कैसे और कहां करें रजिस्ट्रेशन

कोरोना की वैक्सीन लगवाने के लिए युवाओं को कोविन ऐप, अरोग्य सेतु ऐप

या फिर कोविन की वेबसाइट पर जाना होंगा। वहां पर उन्हें अपने मोबाइल नम्बर को दर्ज करना होगा। उसके बाद एक ओटीपी के जरिए अपना एकाउंट बनाना होंगा। वहीं उसमें दिए गए फॉर्म में नाम, उम्र, लैंगिक जानकारी के साथ कोई आधार-कार्ड अपलोड करना होगा, जिसके बाद टीकाकरण केंद्र का चयन कर अप्वाइंटमेंट लेकर वैक्सीन लगवाई जा सकेगी। इतना ही नहीं वरिष्ठ लोगों का रजिस्ट्रेशन 1507 पर डायल करके भी कराया जा सकता है।

राज्यों में टीके की कमी नहीं

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि टीके की एक करोड़ से अधिक खुराक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास अभी भी उपलब्ध है। अन्य 80 लाख खुराक उन तक अगले तीन दिनों में पहुंचेगी। सरकार ने अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीके की 15,65,26,140 खुराक प्रदान की हैं।

अपव्यय सहित कुल खपत 14,64,78,983 खुराक की है। एक करोड़ से अधिक खुराक (1,00,47,157) अभी भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास देने के लिए उपलब्ध है। 80 लाख से अधिक (86,40,000) खुराक अगले तीन दिनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास पहुंच जाएगी।

सार समाचार

राहुल गांधी ने असम के भूकंप प्रभावित इलाकों में सबकी सुरक्षा की कामना की

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम के भूकंप प्रभावित इलाकों में सबकी सुरक्षा की कामना करते हुए बुधवार को कहा कि सभी लोग इस मुश्किल घड़ी में असम की जनता के साथ खड़े हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट किया, ''असम के लोगों के साथ मेरी प्रार्थनाएं हैं। इस भूकंप से राज्य में कोविड संकट में इजाफा होगा तथा प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाने में मुश्किल पेश आएगी। हम परीक्षा की इस घड़ी में आप लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी प्रभावित इलाकों के लोगों की सुरक्षा की कामना की। उन्होंने ट्वीट किया, ''असम के बहनों और भाइयों के लिए मेरा स्नेह और प्रार्थना है जो कोविड की दूसरी लहर और भूकंप के दोरी मार का सामना कर रहे हैं। प्रभावित इलाको में सभी लोगों की सुरक्षा की प्रार्थना करती हूं।'' कांग्रेस महासचिव और असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने ट्वीट किया, ''भूकंप प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।'' असम में बुधवार को सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 6.4 मापी गई। भूकंप के झटके पड़ोसी राज्य मेघालय और पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्सों में भी महसूस किए गए।

ऑक्सीजन के बाद अब दिल्ली के श्मशानों घाटों में हुई चिता की लकड़ियों की कमी!

नयी दिल्ली। कोविड-19 से मौत के मामलों मे हो रही तेज वृद्धि के कारण निगम द्वारा संचालित श्मशानों में चिता की लकड़ियों की कमी के बीच उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अनुरोध किया कि वह वन विभाग को इन श्मशानों में लकड़ियों की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दें। राष्ट्रीय राजधानी में अप्रैल में अबतक 4,063 कोविड-19 रोगियों की मौत हो चुकी है। इनमें से 2,500 से अधिक लोगों की मौत बीते सात दिन में हुई हैं। फरवरी में 57 जबकि मार्च में 117 रोगियों की मौत हुई थी। प्रकाश ने केजरीवाल को चिट्ठी में लिखा, आपसे अनुरोध है कि वन विभाग को बिना किसी रुकावट के इन श्मशानों में लकड़ी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दें। कोविड-19 महामारी के दूसरे दौर में न केवल अस्पतालों जबकि श्मशानों में भी कतारें लगी हुई हैं। शवों की संख्या इतनी ज्यादा है कि श्मशानों को उनके अंतिम संस्कार के लिये अतिरिक्त चबूतरे बनाने पर पड़ रहे हैं। प्रकाश ने पत्र में लिखा, कृपा करके वन विभाग को उचित निर्देश दें ताकि श्मशान निर्बाध तरीके से अपना काम जारी रख सकें और शोकाकुल परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

प्रियंका गांधी ने लखनऊ के अस्पताल को भिजवाया ऑक्सीजन टैंकर

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव तथा पार्टी की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के जरिए भेजा गया ऑक्सीजन टैंकर बुधवार को लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल पहुंचा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के संयोजक (संगठन) ललन कुमार ने बताया कि पार्टी ने लखनऊ के विभिन्न अस्पतालों में संपर्क कर पूछा था कि उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत तो नहीं है, जिसके बाद प्रियंका ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहकर ऑक्सीजन का एक टैंकर लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भिजवाया है। इस बारे में मेदांता लखनऊ के निदेशक डॉक्टर राकेश कपूर से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उनका फोन बंद रहा। कुमार ने बताया कि पार्टी विभिन्न अस्पतालों में संपर्क करके उनके पास ऑक्सीजन की उपलब्धता के बारे में जानकारी ले रही है और अगर अस्पतालों के पास ऑक्सीजन की किल्लत है तो उनकी मदद की जा रही है। ऐसे अस्पतालों को कांग्रेस शासित राज्यों से ऑक्सीजन भेजी जाएगी। कुमार ने कहा कि इस मदद को राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

जबरदस्ती शादी रुकवाकर, दुल्हा-दुल्हन और बरातियों पर लाठी भांजने वाले डीएम हुए सस्पेंड

त्रिपुरा के पांच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने मंगलवार को पश्चिम त्रिपुरा के जिलाधिकारी शैलेश कुमार यादव को तत्काल निलंबित करने की मांग की, जिन्होंने अगरतला में दो शादी समारोहों को जबरन बंद कर दिया, उनका व्यवहार 'अपमानजनक' था। विधायकों ने डीएम शैलेश कुमार यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने शादी समारोह में ने दूल्हा और दुल्हन के साथ मारपीट भी की और आमंत्रितों के साथ 'दुर्व्यवहार' किया। शैलेश कुमार यादव ने बाद में अपने कार्यों के लिए माफी मांगते हुए कहा कि उन्होंने जो किया वह केवल 'लोगों के हित और भलाई के लिए' था। शैलेश कुमार यादव पर आरोप है कि नाइट कर्फ्यू के दौरान नियमों के तहत शादी समारोह हो रहा था जिसे डीएम ने बीच में ही बंद करवा दिया और लोगों के साथ बहुत गलत व्यवहार किया।
शैलेश कुमार यादव के हवाले से कहा गया है, 'अगर किसी व्यक्ति या समूह को कल रात की कार्रवाई से पीड़ा हुई है तो मैं माफी मांगता हूं। लेकिन कल रात जो किया गया वह केवल लोगों के लाभ और भलाई के लिए किया गया। मेरा उद्देश्य किसी को पीड़ा या अपमानित करना नहीं था।
शादी समारोह में डीएम शैलेश कुमार यादव के एक्शन का वीडियो सामने आने के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने मुख्य सचिव को घटना की रिपोर्ट देने को कहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुये मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है।

स्मोकिंग न करने वाले भी दें ध्यान, धूम्रपान करने वालों के साथ रहने से कैंसर का है खतरा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

धूम्रपान करने वालों में कैंसर का जोखिम होता है। यह बात सभी जानते हैं। मगर ब्रिटेन में हुए एक हालिया अध्ययन की मानें तो न सिर्फ धूम्रपान करने वालों में, बल्कि उनके साथ रहने वाले लोगों में भी मुंह का कैंसर होने का जोखिम अधिक होता है। अध्ययन के मुताबिक धूम्रपान न करने वाले अगर धूम्रपान करने वालों के साथ रहते हैं तो उनमें धुआंरहित घर में रहने वालों के मुकाबले मुंह का कैंसर होने का जोखिम 51 फीसदी तक अधिक होता है। यह बात लंबे वक्त से सब जानते हैं कि धूम्रपान से फेफड़ें, आमाशय, पेट और अन्य अंगों के साथ-साथ मुंह, गले और होठों के कैंसर का खतरा रहता है। मगर किंग्स कॉलेज लंदन के नए अध्ययन में इस बात की पुष्टि की गई है, जिसे लेकर विशेषज्ञों में लंबे वक्त से डर रहा है। पैसिव या सेकंड-हैंड स्मोकिंग भी व्यक्ति में ओरल कैंसर का जोखिम बड़े स्तर पर बढ़ाती है।

पैसिव स्मोकिंग चिंता का विषय

सिगरेट, पाइप और सिगार के धुएं का पैसिव इन्हलैशन से स्वास्थ्य को होने वाले खतरे कई वर्षों से स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए चिंता का विषय हैं। मगर पहले के अध्ययनों में पाया गये कि सेकंड-हैंड स्मोकिंग फेफड़े के कैंसर का कारण बन सकती है, लेकिन यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है जिसमें ओरल कैंसर और पैसिव स्मोकिंग के बीच संबंध को खोजा गया है। हर साल लगभग पांच लाख मौखिक कैंसर का पता चलता है, जिसमें 8,300 ब्रिटेन में शामिल हैं। तंबाकू का धुआं, जो कार्सिनोजेन्स से भरा होता है, इसे दुनियाभर में कैंसर से होने वाली पांच मौतों में एक से जोड़ा गया है।

बच्चे भी प्रभावित

प्रत्येक तीन वयस्कों में से एक वयस्क और 40 प्रतिशत बच्चे धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के आसपास होने के कारण 'अनैच्छिक धूम्रपान' से पीड़ित हैं। दुनियाभर के करीब 6,900 लोगों के आंकड़ों के आधार पर खुलासा हुआ है कि सेकंड-हैंड स्मोकिंग करने वाले लोगों में ओरल कैंसर का खतरा 51 फीसदी ज्यादा होता है।अध्ययन जर्ल टोबैको कंट्रोल में प्रकाशित हुए हैं। इसमें यह भी पाया गया कि लगातार संपर्क से व्यक्ति के जोखिम में और भी इजाफा होता है। अध्ययन में कहा गया है कि जो लोग 10 से पंद्रह सालों तक धूम्रपान करने वालों के साथ एक घर में रहते हैं तो उनमें मौखिक कैंसर का जोखिम उन लोगों के मुकाबले दोगुना होता है, जो हर तरह के धुएं से बचे रहते हैं।

पांच अध्ययनों के आधार पर निष्कर्ष

शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने पांच अलग-अलग अध्ययनों के आधर पर यह निष्कर्ष निकाले हैं। पैसिव स्मोकिंग के खतरनाक प्रभावों की पहचान करने वाला यह अध्ययन स्वास्थ्य पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं को प्रभावी पैसिव स्मोक एक्सपोजर प्रिवेंशन प्रोग्राम विकसित करने में दिशा-निर्देश देगा।

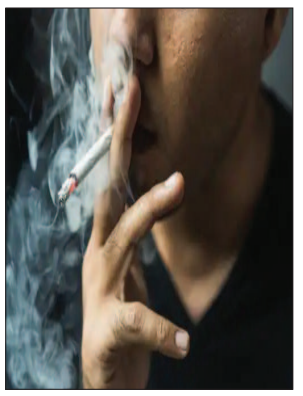

शायद केंद्र सरकार लोगों को कोरोना से मरने देना चाहती है, दिल्ली हाई कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार शायद कोरोना संक्रमण से लोगों को मरने देना चाहती है। रेमडेसिविर इंजेक्शन को देने के प्रोटोकॉल को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन देने के प्रोटोकॉल को देखते हुए ऐसा लगता है। केंद्र सरकार की ओर से जारी नए प्रोटोकॉल के मुताबिक रेमडेसिविर इंजेक्शन उन लोगों को ही दिया जाएगा, जो ऑक्सीजन के सपोर्ट पर हैं। इस पर अदालत ने कहा, 'यह गलत है। यह पूरी तरह से दिमाग को इस्तेमाल न किए जाने जैसा है। अब उन लोगों को रेमडेसिविर इंजेक्शन नहीं मिलेगा, जो ऑक्सीजन सपोर्ट पर नहीं हैं।'

अदालत ने कहा कि इस नियम से ऐसा लगता है कि आप लोगों को मरने देना चाहते हैं। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ने उपलब्धता को बढ़ाने की बजाय प्रोटोकॉल में ही बदलाव कर दिया है ताकि इंजेक्शन की कमी को छिपाया जा सके। अदालत ने कहा कि यह पूरी तरह से मिसमैनेजमेंट है। कोरोना संक्रमण के शिकार एक अधिवक्ता की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। वकील ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कहा कि उन्हें 6 इंजेक्शनों की जरूरत थी, लेकिन तीन ही मिल पाए। हालांकि अदालत के दखल के बाद उन्हें मंगलवार शाम को बाकी बचे इंजेक्शन मिल सके।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने ऑक्सीजन की कमी को लेकर दिल्ली सरकार पर भी कड़ी टिप्पणी की थी। कोर्ट ने केजरीवाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि ऐसा लगता है कि आपका सिस्टम पूरी तरह से फेल हो चुका है। बीते कुछ दिनों में सुप्रीम कोर्ट से लेकर देश के कई उच्च न्यायालयों ने कोविड प्रोटोकॉल के पालन, ऑक्सीजन की कमी और रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी को लेकर कड़ी टिप्पणियां की हैं।

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा था, चुनाव आयोग के अफसरों पर चले हत्या का केस

मद्रास हाई कोर्ट ने कहा था कि चुनाव आयोग पूरी तरह से फेल दिखता है। उसकी वजह से ही देश में कोरोना वैक्सीन की दूसरी लहर ने जोर पकड़ा है। अदालत ने कहा था कि जिस तरह से कोरोना संक्रमण चुनाव के दौरान बढ़ा है, उस देखते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों पर हत्या का केस दर्ज किया जाना चाहिए।

केंद्र ने हरियाणा के लिए दैनिक ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाकर 232 मीट्रिक टन किया: विज

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने हरियाणा के लिए दैनिक चिकित्सकीय ऑक्सीजन आपूर्ति का कोटा बढ़ाकर 232 मीट्रिक टन कर दिया है। विज ने ट्वीट किया, ''भारत सरकार का शुक्रिया कि उसने हरियाणा के लिए ऑक्सीजन का कोटा 162 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 232 मीट्रिक टन कर दिया है।'' राज्य सरकार ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव निपुण विनायक से हुई बातचीत में ऑक्सीजन कोटा पर पुनर्विचार करने को लेकर सूचित किया था। विज ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि राज्य ने ओडिशा से जीवनरक्षक गैस के अतिरिक्त कोटा को विमान से लाने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। विज ने कहा, ''बढ़ाये गये चिकित्सकीय ऑक्सीजन कोटे को ओडिशा से विमान से लाने की कोशिश की जा रही है। औपचारिकताएं लगभग पूरी कर ली गयी हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा तो हरियाणा को जल्द राहत मिल जायेगी।'' हालांकि इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला ने राज्य में कोविड-19 की स्थिति के प्रबंधन को लेकर भाजपा-जननायक जनता पार्टी (जजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में हालात दिल्ली से भी खराब है। उन्होंने कहा, ''हरियाणा में हालात दिल्ली से भी खराब है। अस्पतालों में बेड नहीं हैं, ऑक्सीजन की किल्लत है।'' चौटाला ने मंगलवार को सिरसा में पत्रकारों से कहा, ''इस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। लोगों को मूलभूत जरूरी चीजें उपलब्ध कराना तो दूर वे तो आपात सेवा भी उन्हें नहीं दे पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि स्थिति को संभालने में कथित रूप से नाकाम रहने के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को इस्तीफा दे देना चाहिए। हरियाणा में अप्रैल में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे और कोविड-19 से मृतक संख्या में भी वृद्धि हुई है। राज्य में मंगलवार को एक दिन में सर्वाधिक 84 मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 3,926 हो गयी और संक्रमण के 11,931 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,47,754 हो गयी। हरियाणा में पिछले कुछ दिनों में चिकित्सकीय ऑक्सीजन की मांग बढ़ी है क्योंकि राज्य में वर्तमान में 85,000 से अधिक मरीज उपचाराधीन हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा के अस्पतालों में भी दिल्ली समेत अन्य जगहों से मरीज आ रहे हैं।

कोरोना वायरस साल 2020 से नहीं बल्कि 25 हजार साल पहले से इंसानों को बना रहा अपना शिकार! रिसर्च में खुलासा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना महमारी से लोगों की जिंदगी पहले जैसी नहीं रही है। अब आपको बाहर ही नहीं बल्कि घरों के अंदर भी मास्क पहनना काफी जरूरी हो गया है। इस महामारी से लोगों के अंदर एक डर बैठ गया है क्योंकि देश में जिस तरह के हालात है उससे लोगों का डरना स्वाभाविक है। वहीं अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की भारी मात्रा में कमी होने से आम लोगों की जिंदगी दाव पर लग गई है। सब यही दुआ कर रहे है कि यह कठिन वक्त जल्द से जल्द गुजर जाए लेकिन चीन के शहर वुहान से आया साल 2020 में यह वायरस जो अब पूरे दुनियाभर में अपना कहर बरपा रहा है आज से धरती पर नहीं है। जी हां, आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह जो कोरोना महामारी है जिसकी वजह से आज पूरी दुनिया में डर का माहौल है वह लगभग 25 साल पहले से लोगों को परेशान कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के असिस्टेंट प्रोफेसर डेविड एनार्ड ने कोरोना महामारी को लेकर रिसर्च की है और उनका यह रिसर्च bioR&iv में भी पब्लिश हुआ है। हालांकि, अब साइंस जर्नल में पब्लिश कराने के लिए रिव्यू किया जा रहा है। प्रोफेसर डेविड के मुताबिक, यह वायरस हमेशा रहा है, जिससे लोग बिमार भी हुए और मरे भी। डेविड के मुताबिक, इंसान की तरह वायरस भी अपने नए जीनोम से बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, हर तरीके के बेक्टेरिया अपनी पीढ़ियों में बदलाव करते रहते हैं, जिससे वह प्रकृति में सर्वाइव कर सकें। प्रोफेसर डेविड के अनुसार, उनकी टीम ने प्राचीन कोरोना महामारी की खोज के लिए दुनियाभर के 26 अलग-अलग 2504 लोगों के जीनोम का टेस्ट लिया जिससे यह पता चला कि कोरोना वायरस जैसे पैथोजेन इंसानों के डीएनए में प्राकृतिक चयन करके पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते रहते हैं।

कैसे संपर्क में आता है कोरोना?

साइंटिस्ट के मुताबिक, कोरोना वायरस इंसान के शरीर में 420 टाइप के प्रोटीन से संपर्क करता है जिसके बाद उनमें से 332 प्रोटीन जो होते है वह खुद कोरोना से इंटरैक्ट होते है। बता दें कि इस इस रिसर्च से और नए वायरस की जानकारी मिल सकती है। बता दें कि अभी भी पूर्वी एशिया के इंसानो से मिले जींस जिनका संपर्क प्राचीन कोरोना वायरस से हुआ था वह अब भी उनके शरीर में मौजुद है। पीढ़ी दर पीढ़ी कोरोना वायरस बनते जा रहे है जिससे लोग बीमार हो रहे है, इसमें होने वाले म्युटेशन के कारण पूर्वी एशिया के लोगों की इम्युनिटी मजबूत हो गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि, यह लोग सबसे ज्यादा कोरोना की चपेट में आए है जिससे उनके शरीर में इस वायरस से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बन गई है। प्रोफ्सर डेविड के मुताबिक, कोरोना की चपेट में आए इंसान के शरीर के 420 प्रोटीन के 42 कोड्स होते हैं और आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह 25 साल पहले से ही लगातार खुद को म्युटेट कर रहा है। इससे आप समझ गए होंगे की कोरोना साल 2020 से नहीं बल्कि बहुत पहले से ही लोगों को अपना शिकार बना रहा है।

कोरोना वायरस के कारण अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था चरमरा रही : संजय राउत

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के कारण देश की अर्थव्यवस्था के साथ ही सामाजिक एवं राजनीतिक तंत्र ÷ढह÷ रहे हैं और कहा कि इसने देश को कम से कम 20 साल पीछे धकेल दिया है। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि कोविड-19 की बदतर होती स्थिति के चलते भारत की साख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरी है। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए 'मुंबई मॉडल' और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए राउत ने कहा कि इस मॉडल को देश के हर हिस्से में लागू करने की जरूरत है।

शिवसेना प्रवक्ता ने कहा, 'वैश्विक महामारी के कारण भारत कम से कम 20 साल पीछे चला गया है। मुझे नहीं पता कि पिछले पांच-दस साल में यह कितना आगे बढ़ था लेकिन देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था ढह गई है। अब केवल अस्तित्व का संघर्ष जारी है। हमें दोबारा खड़े होने के लिए बड़ी लड़ाई लड़नी होगी।' उन्होंने कहा कि मुंबई में मामले लॉकडाउन लगाने की वजह से घटे हैं और कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए हर वक्त प्रयास किए जा रहे हैं। राउत ने कहा, ÷मुख्यमंत्री ठाकरे ग्रामीण स्तर पर भी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

राज्य के जनस्वास्थ्य मंत्री (राजेश) टोपे, उपमुख्यमंत्री (अजित पवार)...हर व्यक्ति, चाहे सरकार हो या प्रशासन, पूरी ताकत के साथ काम कर रहा है।' देश में कोविड-19 की स्थिति को ''गंभीर' बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ राज्य पर्याप्त जांचें नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे बड़े राज्यों में कोविड-19 के मामले अचानक से बढ़ रहे हैं और पश्चिम बंगाल में भी वृद्धि हो रही है। राउत ने कहा, 'लेकिन मुंबई जैसे बड़े शहर में, हमने देखा है कि संख्या लगभग आधी हो गई है। कारण यह है कि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और प्रशासन ग्रामीण स्तर तक देख रहे हैं कि तंत्र काम कर रहा है या नहीं।' मुंबई में मंगलवार को कोविड-19 के 4,014 नये मामले सामने आए।

सिद्धू को अमरिंदर सिंह ने दी बड़ी चुनौती, बोले- मेरे खिलाफ चुनाव लड़ें, असलियत दिख जाएगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

एक तरफ कोरोना वायरस महामारी ने देश की खोखली व्यवस्था की पोल खोल दी है जिसे आधार बनाकर नेता वोट मांगते थे, वहीं पोल खुलने के बाद दूसरी तरफ राजनेता अपना दामन साफ दिखाने के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। महामारी के दौर में नेताओं का काम ज्यादा बढ़ गया है, वह मौके खोजते है कि कैसे दूसरी पार्टी की अलोचना की जाए। साथ खड़े होकर महामारी से लड़ने की बजाए सुबह से रात तक वह एक -दूसरे से ही लड़ रहे हैं। हाल ही में देखा गया क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू लगातार अपनी ही पार्टी कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते नजर आये हैं। कई मौके पर उनकी बयानबजी पार्टी के सुरों से अलग दिखाई पड़ी। अब लगता है नवजोत सिंह सिद्धू की बयानबाजी पर कांग्रेस का सब्र टूट गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सिद्धू को उनकी ही जुबान में जवाब दिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू को अगले चुनाव में पटियाला में उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दावा किया कि सिद्धू 'कुल अनुशासनहीनता' में लिप्त है।

पटियाला विधानसभा क्षेत्र से चार बार सीधे जीत चुके सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू को यदि अपने उपर इतना ही विश्वास है तो वह मेरे खिलाफ चुवान लड़े। इसके अलावा जी पंजाबी को दिए एक साक्षात्कार में, अमरिंदर सिंह ने अपने पूर्व कैबिनेट मंत्री पर एक भयंकर हमला किया। उन्होंने कहा कि सिद्धू को जो करना है वह साफ तौर पर करें। जिस तरह से वह पार्टी कीअलोचना कर रहे हैं उससे ये साफ हो रहा है कि वह पार्टी छोड़ना चाहते हैं। उन्हें अपनी शिकायते साफ तौर पर जाहिर करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा ÷मुझे नहीं पता कि वह कहां जाएंगे या किस पार्टी में शामिल होंगे। अकाली दल उनसे नाराज है और बीजेपी उन्हें स्वीकार नहीं करेगी ... इसलिए संभावना है कि,क्क का सहारा ले सकते हैं। अगर वह पटियाला से मेरे खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते हैं तो हम वहां मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि जनरल जेजे सिंह ने भी कई तरह के खोखले दावे किए थे। पटियाला से उन्होंने मेरे खिलाफ चुनाव लड़ा था और जिस तरह चुनाव के नतीजे आये उन्होंने अपनी सारी लोकप्रियता को डूबों कर रख दिया। सिद्धू का भी वहीं होगा।भाजपा के जनरल जेजे सिंह, जिन्होंने सीएम के खिलाफ 2017 का चुनाव लड़ा। कैप्टन अमरिंदर सिंह से वह बुरी तरह हारे थे।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन में उनके अपर्याप्त योगदान के बाद जुलाई

2019 में सिद्धू ने पंजाब कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य प्रभारी हरीश रावत को नवजोत सिंह सिद्धू का काम सौंपा था। दिल्ली में पार्टी अंतरिम प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद रावत ने सीएम से मुलाकात की थी। बाद में उन्होंने सिद्धू को पार्टी का एक महत्वपूर्ण नेता कहा और कहा कि उन्हें जल्द ही राज्य में समायोजित किया जाएगा और उनकी उपस्थिति पार्टी को मजबूत करेगी।

कोरोना के ऊपर अब मौसम की मार, राजस्थान के अनेक हिस्सों में लू की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। वहीं बीते चौबीस घंटे में में भरतपुर में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक अधिकतम तापमान भरतपुर में 45.4 डिग्री वगंगानगर में 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। केन्द्र के अनुसार अगले 48 घंटों में उत्तरी राजस्थान के बीकानेर, जयपुर तथा भरतपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं लू चलने का अनुमान है जबकि 30 अप्रैल से तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। केंद्र ने 28-29 अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान व्यक्त किया है। केन्द्र के अनुसार 29 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जोधपुर और उदयपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बादल गरजने व अचानक तेज हवाओं/ आंधी के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। वहीं, 30 अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर संभाग के जिलों में भी दोपहर के बाद 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने व हल्के दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। इसका असर 1-2 मई के दौरान राज्य के उत्तरी भागों में बना रहेगा।

सार समाचार

पाकिस्तान में कोविड-19 से एक दिन में सबसे अधिक 201 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बुधवार को कोविड-19 से 200 से अधिक मौतें दर्ज की गई जो महामारी शुरू होने के बाद एक दिन में सबसे अधिक संख्या है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक गत 24 घंटे में 201 लोगों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई जिन्हें मिलकार अबतक 17,530 लोगों की इस महामारी से जान जा चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि 5,214 मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 23 अप्रैल को पाकिस्तान में सबसे अधिक 157 लोगों की मौत एक दिन में संक्रमण की वजह से हुई थी जबकि पिछले साल 20 जून को 153 लोगों ने महामारी में जान गंवाई थी। हालांकि, नया रिकॉर्ड एक हफ्ते में बना है जो महामारी की विभिषिका को इंगित करता है। पाकिस्तान में गत 24 घंटे में 5,292 नए मामले आए हैं जिन्हें मिलाकर अबतक कुल 8,10,231 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान में इस समय 88,207 उपचाराधीन मरीज हैं जबकि 7,04,494 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

कोरोना संकट में भारत का साथ देने पर अमेरिकी सांसदों ने की जो बाइडेन की तारीफ

वाशिंगटन। संकट के वक्त भारत का साथ देते हुए अमेरिकी सांसदों ने कोविड-19 से जूझ रहे लोगों की जान बचाने के वास्ते हरसंभव मदद करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन की तारीफ की तथा उनसे और अधिक प्रयास करने का अनुरोध किया। सांसद एव सदन की विदेश मामले की समिति के वरिष्ठ सदस्य ब्रेड शर्मन ने मंगलवार को कहा, ''अमेरिका का हमारे सहयोगी भारत की मदद करने का नैतिक दायित्व है जो कोविड-19 की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाना चाहिए कि भारतीय लोगों को सभी सहायता मिले जिनकी उन्हें इस संकट के दौरान आवश्यकता है।'' कांग्रेस सदस्य कैरोलिन बॉड्रियॉक्स ने कहा, ''मेरी संवेदनाएं भारत और पड़ोसी देशों के लोगों के साथ हैं क्योंकि वे कोविड-19 से कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं। मुझे खुशी है कि व्हाइट हाउस ये जीवनरक्षक टीके उपलब्ध करा रहा है लेकिन हमें आने वाले दिनों में मजबूत, समन्वित वैश्विक प्रतिक्रिया की जरूरत पड़ेगी।'' कांग्रेस सांसद माइकल वाल्ट्ज प्रेस ने कहा कि चीन के साथ अमेरिका की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत अहम सहयोगी है। उन्होंने कहा, ''उसकी ताकत एशिया तथा अमेरिका में स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। हमें कोविड-19 के नए मामलों से निपटने के लिए उनकी हरसंभव मदद करनी चाहिए।'' एक अन्य सांसद बिल फोस्टर ने कहा कि चूंकि अमेरिका इस महामारी से निपटने में निरंतर प्रगति कर रहा है तो भारत में गंभीर स्थिति को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अन्य अमेरिकी सांसद भी भारत के समर्थन में आए हैं। सीनेटर रॉबर्ट मेनेंदेज ने कहा, ''समान तरीके से टीकों की आपूर्ति करने से न केवल आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी बल्कि यह नैतिक अनिवार्यता है। नवोन्मेष का गढ़ और वंचित वर्ग के लोगों का चैम्पियन होने के नाते अमेरिका को देश तथा विदेश में हर किसी को टीका लगाने के प्रयासों का नेतृत्व करना चाहिए।'' भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह खुश हैं कि अमेरिका, भारत और अन्य देशों को एस्ट्राजेनेका की आपूर्ति करेगा।

अब सर्दी-बुखार की तरह गोली खाने से ठीक हो जाएगा कोरोना! फाइजर सीईओ बोले-अगले साल आ जाएगी दवा

न्यू यॉर्क। कोरोना संकट से जूझ रही पूरी दुनिया के लिए एक अच्छी खबर है। कोरोना की वैक्सीन बना चुकी दवा कंपनी फाइजर ने बताया है कि वह अगले साल तक कोरोना वायरस के इलाज के लिए दवा भी तैयार कर लेगी। यह बयान खुद कंपनी के सीईओ ऐल्बर्ट बॉर्ला ने दिया है। ऐल्बर्ट ने बताया कि उनकी कंपनी फिलहाल दो एंटीवायरल बनाने पर काम कर रही है। इनमें से एक ओरल होगी तो दूसरी इंजेक्शन के जरिए दी जाने वाली। सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में ऐल्बर्ट ने कहा, 'हम दो एंटीवायरल बनाने पर काम कर रहे हैं। एक ओरल और दूसरी टीके के तौर पर दी जाने वाली। वैक्सीन से ज्यादा महत्वपूर्ण दवा है क्योंकि इसके कई फायदे हैं। इनमें से एक फायदा यह है कि आपको इलाज के अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा और आप घर पर ही दवा खा सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर सब सही रहा और नियामकों ने समय से इस दवा को मंजूरी दे दी तो यह इस साल के आखिर तक उपलब्ध हो जाएगी।' ऐल्बर्ट ने यह भी कहा कि एंटीवायरल दवा कोरोना के अलग-अलग वेरिएंट्स पर भी असरदार होगी।

अमेरिका में हार रहा कोरोना, टीका लगवा चुके लोगों को बिना मास्क बाहर जाने की छूट

वाशिंगटन। पूरी दुनिया में कोरोना कहर के बीच अमेरिका ने एक अहम फैसला लिया है। अमेरिका के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि पूरी तरह से टीकाकरण किए गए अमेरिकियों को अब बाहर मास्क पहनने की जरूरत नहीं है, जब तक कि वे अजनबियों की एक बड़ी भीड़ में न हों। इसके साथ ही वे कुछ मामलों में बाहर के चेहरे को कवर किए बिना जा भी सकते हैं।

कोरोना से जंग में भारत को मिलने जा रहा एक और हथियार, 1 मई को आएगी स्पूतनिक-वी की पहली खेप

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ दो हथियारों (कोविशील्ड और कोवैक्सिन) के साथ जंग जारी है। भारत में टीकाकरण की रफ्तार को मई से और तेजी मिलेगी, क्योंकि भारत के टीकाकरण अभियान से एक वैक्सीन का नाम जुड़ जाएगा। जी हां, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि 1 मई को भारत में स्पूतनिक-वी वैक्सीन की पहली खेप आ जाएगी। बता दें कि स्पूतनिक-वी वैक्सीन को गमालया नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि भारत को 1 मई को रूसी कोरोना वैक्सीन 'स्पूतनिक वी' के पहली खेप मिल सकती है। आरडीआईएफ के प्रमुख किरिल दिमित्रिक ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि स्पूतनिक-वी की पहली खुराक 1 मई को डिलिवर की जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रूस की यह वैक्सीन सप्लाई भारत को कोरोनो वायरस महामारी की दूसरी लहर से बाहर निकलने में मदद करेगी।

ट्रायल में रहा था कारगर

शुरुआत में इस वैक्सीन की क्षमता पर सवाल खड़े किए गए, मगर बाद में जब इस साल फरवरी में ट्रायल के डेटा को द लांसेट में पब्लिश किया गया तो इसमें इस वैक्सीन को सेफ और इफेक्टिव बताया गया। दरअसल कोविड-19 के रूसी टीके 'स्पूतनिक-वी के तीसरे चरण के परीक्षण में यह 91.6 प्रतिशत प्रभावी साबित हुई है और कोई दुष्प्रभाव भी नजर नहीं आया। 'द लांसेट' जर्नल में प्रकाशित आंकड़ों के अंतरिम विश्लेषण में यह दावा किया गया है। अध्ययन के ये नतीजे करीब 20,000 प्रतिभागियों से एकत्र किए गए आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित हैं।

भारत ने दी आपात मंजूरी

इसके दो महीने बाद अप्रैल महीने में भारत में रूसी कोरोना टीके 'स्पूतनिक वी' के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी गई। भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकरण की एक विशेषज्ञ समिति ने देश में कुछ शर्तों के साथ रूसी कोरोना टीके 'स्पूतनिक वी' के आपात इस्तेमाल को मंजूरी देने की सिफारिश की थी, जिस पर भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने अपनी मुहर लगाई। गमालया इंस्टीट्यूट ने दावा किया की कि स्पूतनिक-वी कोरोना के खिलाफ अब तक विकसित सभी टीकों में सबसे अधिक प्रभावी है।

कैसे अन्य वैक्सीन से अलग है स्पूतनिक-वी

रूसी कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक-वी, एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की तरह ही एक वायरल वेक्टर वैक्सीन है। मगर किसी भी अन्य कोरोना वैक्सीन के विपरीत, स्पूतनिक-वी वैक्सीन की दोनों खुराक एक दूसरे से अलग होती हैं। स्पूतनिक वी की दोनों खुराकों में अलग-अलग वेक्टरों का उपयोग SARS-CoV-2 के स्पाइक प्रोटीन को टारगेट करने के लिए किया गया है। बता दें कि कि सार्स-कोव-2 ही कोरोना वायरस का कारण बनता है। वैक्सीन की प्रकृति में भी स्पूतनिक वी की दो खुराक एक ही टीका के थोड़े अलग संस्करण हैं और इसका उद्देश्य कोरोना के खिलाफ लंबी सुरक्षा प्रदान करना है।

क्या हो सकती है कीमत

अगर इस वैक्सीन की कीमत की बात करें

तो कंपनी ने इसकी कीमत को लेकर कहा है कि भारत में स्पूतनिक 1 के एक डोज के लिए अधिकतम 10 डॉलर (करीब 750 रुपए) खर्च करने होंगे। हालांकि, स्पूतनिक वैक्सीन की आधिकारिक कीमत का ऐलान नहीं हुआ है। फिलहाल, भारत में जो दो वैक्सीन है, उसे केंद्र सरकार 250 रुपए में खरीदती है।

रूसी वैक्सीन स्पूतनिक-वी की ग्लोबल रीच बहुत ही ज्यादा हो सकती है, क्योंकि स्पूतनिक-वी की आपूर्ति के लिए 60 से अधिक देशों ने कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं। बता दें कि अगर एक मई को स्पूतनिक वैक्सीन की पहली खेप भारत पहुंच जाती है तो 1 मई से ही टीकाकरण के तीसरे फेज में इसका इस्तेमाल हो सकता है। 1 मई से भारत में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को भी टीका लगेगा।

पाकिस्तान में लॉकडाउन लगाने की तैयारी, 16 शहरों में सेना तैनात; वैक्सीन की कमी के कारण प्राइवेट केंद्र बंद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में कोरोना के हालात गंभीर हो गए हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान ने लॉकडाउन लगाने का संकेत दिया है। 16 शहरों में सेना तैनात कर दी गई है। पड़ोसी देश नेपाल में भी महामारी का प्रकोप बढ़ रहा है।

पाक में एक दिन में रिकॉर्ड दो सौ से ज्यादा मौत, पीएम ने लॉकडाउन लगाने के दिए संकेत

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में दो सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यह एक दिन में अब तक सबसे ज्यादा है। यहां वैक्सीन की कमी के कारण प्राइवेट स्थानों पर बने केंद्र बंद हो गए हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश में लॉकडाउन लगाने के संकेत दिए हैं। पाक प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन से पहले खाद्य सामग्री के वितरण की व्यवस्था को सुदृण बनाने के निर्देश दिए।

नेपाल में एक दिन में साढ़े चार हजार से ज्यादा केस आए

नेपाल में एक दिन में साढ़े चार हजार से ज्यादा केस आए हैं। यह आंकड़ा देश के लिए चिंताजनक है। नेपाल में अब तक संक्रमित रोगियों की संख्या तीन लाख से ज्यादा हो चुकी है। नेपाल का मानना है कि भारत में बढ़ रहे मामलों का भी प्रभाव पड़ रहा है। भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों से आवाजाही के कारण मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

तुर्की में महामारी नियंत्रण से बाहर, 43 हजार से ज्यादा नए मामले एक दिन में

तुर्की में महामारी नियंत्रण से बाहर है। इस देश में 43 हजार से ज्यादा नए मामले एक दिन में आए हैं। सक्रिय मामलों की संख्या 47 लाख हो गई है।

रूस- पिछले 24 घंटे के दौरान आठ हजार से ज्यादा नए मामले मिले हैं। 27 सितंबर के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई है।

ब्राजील- यहां हर रोज मरने वालों का आंकड़ा तीन हजार से कम नहीं हो रहा है। अब तक तीन लाख 95 हजार से ज्यादा लोग मर गए हैं।

पोलैंड- यहां 4 मई से प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है। शॉपिंग मॉल, स्टेडियम खोल दिए जाएंगे।

अमेरिका में वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके लोगों पर पाबंदी में ढील

अमेरिका के डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) विभाग ने वैक्सीन के दोनों डोज लेने वालों को ढील दी है। गाइडलाइन के अनुसार आउटडोर में गतिविधियों के दौरान ये लोग मास्क उतार सकते हैं। देश में यात्रा के पहले और बाद में टेस्ट कराना जरूरी नहीं है। अन्य शहर में क्वारंटाइन भी नहीं किया जाएगा। छोटे समूह में बिना मास्क लगाए आउटडोर में पार्टी कर सकते हैं। इनडोर में अभी भी मास्क लगाने की सलाह दी गई है।

कोरोना से लड़ने के लिए कनाडा देगा भारत को एक करोड़ डॉलर की मदद, मेडिकल सामान के लिए इस्तेमाल होगी राशि

ओटावा। (एजेंसी)।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि उनका देश कोविड-19 महामारी से निपटने में भारत को एक करोड़ डॉलर की मदद मुहैया कराएगा। ट्रूडो ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विदेश मंत्री मार्क गार्नो की भारत में अपने समकक्ष एस जयशंकर से बात हुई है कि कनाडा किस तरह की मदद मुहैया करा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम कनाडा रेड क्रॉस के जरिए भारतीय रेड क्रॉस को एक करोड़ डॉलर मुहैया कराने को भी तैयार हैं।'' उन्होंने कहा कि इससे एंबुलेंस से लेकर पीपीई जैसे कई उपकरण खरीदने में मदद मिलेगी। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत के बारे में ट्रूडो ने कहा, ''हम किस तरह मदद कर सकते हैं इसको लेकर हमारी बातचीत चल रही है।'' उन्होंने कहा, ''भारत से जिस तरह की त्रासद और खौफनाक तस्वीरें आ रही है, कनाडा उससे काफी चिंतित है।'' इससे पहले विदेश मंत्री गार्नो ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने कोविड-19 से बनी स्थिति को लेकर अपने भारतीय समकक्ष जयशंकर से बात की और भारत के लोगों के प्रति कनाडा की एकजुटता का संदेश दिया। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में रिकॉर्ड 3,60,960 नये मामले सामने आए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मामले 1,79,9,267 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार सुबह तक के आंकड़ों के मुताबिक 3,293 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या दो लाख को पार कर गई है।

आशा है बाइडेन फाइजर के सीईओ से बात कर भारत को टीका निर्माण की अनुमति देंगे: सांसद रो खन्ना

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

कोविड-19 के तेजी से प्रसार के बीच लाखों लोगों की जिंदगियों पर मंडरा रहे खतरे में देखते हुए भारतवंशी अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने कहा कि उन्हें आशा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन फाइजर के सीईओ से बात करेंगे और भारत को कम से कम छह महीने या एक साल के लिए टीकों का निर्माण करने देंगे। खन्ना अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सिलिकॉन वैली से प्रतिनिधित्व करते हैं। वह कोविड-19 टीकों के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से बौद्धिक संपदा अधिकार के कारोबार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) में छूट के भारत और दक्षिण अफ्रीका के अनुरोध के मुखर समर्थक रहे हैं। खन्ना ने पत्रकारों से कहा, ''भारत को टीका निर्माण की इजाजत दें। यह दीर्घकालिक रूप से आपके ही हित में बेहतर होगा।

यह अमेरिका के लिए अच्छा होगा और भारत की भूमिका के साथ दुनिया के बाकी देशों सहित हमारे हित में होगा।'' फाइजर और मॉडर्ना जैसी कई कंपनियां तथा यूएस चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स जैसे कुछ संगठन इस कदम का विरोध कर रहे हैं। एक दिन पहले अमेरिकी कारोबार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने दवा कंपनी फाइजर और एस्ट्राजेनेका के सीईओ से टीआरआईपीएस छूट के संबंध में बात की थी। डब्ल्यूटीओ में पांच मई से पहले इस प्रस्ताव के आने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''मुझे मालूम है कि प्रशासन में वे काफी वरिष्ठ हैं जो इसका समर्थन कर रहे हैं। मुझे आशा है कि राष्ट्रपति कम से कम फाइजर के सीईओ से बात करेंगे और कहेंगे कि भारत में अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर विचार करे जो एक बड़ा बाजार है और जो आपके आर्थिक हित में भी है। कम से कम इसमें छह महीने या एक साल की तो छूट दें।'' माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक और जाने माने समाजसेवी बिल गेट्स ने सोमवार को मीडिया में दिये साक्षात्कार में इस कदम का विरोध किया था।

मददगार बना न्यूजीलैंड! दूसरी लहर से लड़ रहे भारत की मदद के लिए देगा 10 लाख डॉलर

मेलबर्न/वेलिंगटन। न्यूजीलैंड कोविड-19 के बढ़ते मामलों से जूझ रहे भारत की मदद के लिए रेड क्रॉस को करीब 7,20,365 अमेरिकी डॉलर की राशि देगा। विदेश मंत्री ननाइया महुता ने बुधवार को यह घोषणा की। मदद की यह घोषणा ऐसे वक्त में हुई है जब भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 3,60,960 मामले सामने आये जबकि संक्रमण से 3,293 लोगों की मौत हुई। महुता ने कहा, ''इस मुश्किल वक्त में हम भारत के साथ हैं और जिंदगियों को बचाने के लिए निरंतर काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चा के कर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हैं।''न्यूजीलैंड हेराल्ड ने महुता के हवाले से लिखा, ''द्वीपीय देश कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ को 10 लाख न्यूजीलैंड डॉलर का योगदान करेगा।'' अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस संघ (आईएफआरसी) ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन सांद्रक और अन्य जरूरी चिकित्सकीय सामग्री की अपूर्ति में सीधे तौर पर स्थानीय इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ काम कर रहा है। महुता ने कहा, ''हमलोग स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और भारत सरकार की मदद के लिए तैयार हैं। खतरनाक वायरस के संक्रमण से मरने वाले लोगों के परिजनों और उनके मित्रों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं।

क्वारंटाइन में हुए बोर तो इस परिवार ने बेकार फूड पैकिंग लिफाफों से बना डाला 'डायनासोर'

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी के मुश्किल वक्त में लोग खुद को व्यस्त रखने और मन लगाने के लिए कई दिलचस्प तरीके अपना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में एक होटल में देखा गया। इस होटल में इन दिनों डायनासोर की एक नई प्रजाति काफी चर्चा में है। हालांकि इसकी मूल उत्पत्ति तो मेसोजोइक युग से बताई जाती है, मगर फिलहाल होटल में मौजूद यह %बैगासॉरस% कोविड-19 के दौरान एक परिवार की देन है। पूरे परिवार ने इसे 14 दिनों की क्वारंटीन अवधि में बनाया। खास बात है कि उन्होंने होटल के खाना पैक करने के बेकार लिफाफों का इस्तेमाल इसे बनाने में किया है।

इस तरह की शुरुआत

कार्ली कैटेलानो नाम की महिला अपने पति सैम और तीन साल की बेटी फ्लोरेंस के साथ ब्रिटेन से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुईं। इस दौरान उन्हें पता था कि उन्होंने 14 दिनों के लिए होटल के कमरे में क्वारंटीन होना पड़ेगा। एक बच्चे के साथ दो सप्ताह की सख्त पाबंदियों के चलते कार्ली को कुछ क्रिएटिव करने की जरूरत महसूस हुई। अपनी चुलबुली बेटी को व्यस्त रखने और समय काटने के लिए कार्ली और उनके पति सैम ने रणनीति बनाई। उन्होंने टेकआउट बैग और कटेनर, कुछ डिस्पोजेबल कटलरी, एक आयरन बोर्ड और कुछ अन्य विविध वस्तुओं के साथ एक डायनासोर बनाने पर काम करना शुरू किया।

पांच फीट है ऊंचाई

परिवार द्वारा बनाया गया बैगासॉरस 1.5 मीटर (लगभग 5 फीट) लंबा है। कार्ली का कहना है कि उनकी तीन वर्षीय बेटी फ्लोरेंस इसका खास ख्याल रखती है। वह उसे खाना खिलाने की कोशिश करती है। परिवार का कहना है कि होटल से निकलने के बाद वह इस बैगासॉरस को रिसाइकिल करेंगे। वह सिर्फ इसके सिर वाले हिस्से को अपने साथ एक यादगार के रूप में साथ लेकर जाने की योजना बना रहे हैं।

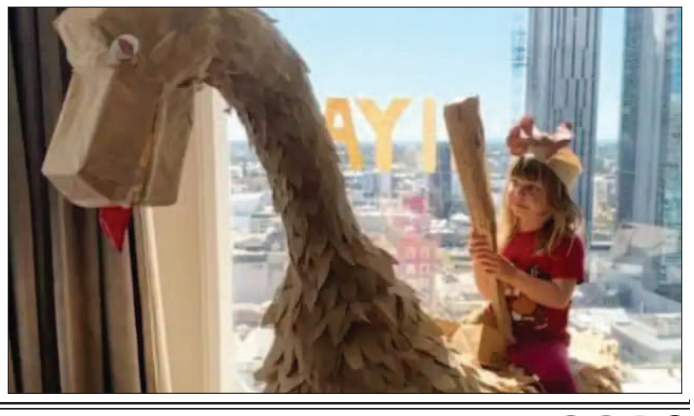

संपादकीय

बना रहे भरोसा

आज पूरा देश कोरोना वायरस के सामने जैसे किंकर्तव्यविमूढ़ खड़ा है। इतने निस्सहाय-निरुपाय हम पहले कभी नहीं थे। साल भर पहले जब इस महामारी ने हमारे देश में दस्तक दी थी, तब हमारे पास कोई तैयारी नहीं थी। इस एक वर्ष में हमने लंबी यात्रा तय की है। देश तरह-तरह के प्रयोगों के दौर से गुजरा है। हमने एक के बाद एक लॉकडाउन देखे हैं, अपने बीमार पिताजी को 1,200 किलोमीटर साइकिल चलाकर बिहार ले जाने वाली किशोरी देखी है। अपने देस-गांव पैदल लौटते लाखों मजदूरों को देखा है, फिर भी हम इतने असहाय नहीं थे। हालांकि, इस बीच हमारे पास हर तरह के किट हैं, वेंटिलेटर हैं, हमारे पास वैक्सीन भी हैं, हमने वैक्सीन अपने पड़ोसियों को भी भेंट में दी है। हम वैक्सीन डिप्लोमेसी में भी अव्वल रहे। 15 करोड़ अपने लोगों को वैक्सीन लग भी चुकी है, फिर भी हम निरुपाय हैं, क्योंकि महामारी की मार इतनी तेज है कि हम कुछ कर नहीं पा रहे हैं। शायद हम अपनी शुरुआती कामयाबी से कुछ ज्यादा ही फूल के कुप्पा हो गए थे। कोविड के संकट को भूलकर हमारे राजनेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने में जुट गए। कोविड प्रोटोकॉल सिर्फ कुछ ही जिम्मेदार लोगों के अनुपालन की चीज रह गया। नेतागण धड़ल्ले से चुनावों में कूद गए। चुनावी रैलियों में कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ने लगीं। यहां तक कि कुंभ जैसे, विशाल जनसमुद्र को आमंत्रित करने वाले आयोजन भी बिना खास तैयारी के होने लगे। सरकारों को ही क्यों दोष दें? जनता स्वयं जैसे चादर ताने सो रही थी। वैक्सीन है, लेकिन हम उसे लगवाने में कोताही बरतने लगे थे। शादी-ब्याह, उत्सव-त्यौहार उसी पुराने अंदाज में मनाने लगे थे, इसलिए जब कोरोना के बहुरूपी वायरस ने हमें सुषुप्तावस्था में पाया, तो चौतरफा प्रहार कर दिया। एक साथ बड़ी संख्या में पीड़ित लोग अस्पतालों की तरफ कातर निगाह से देखने लगे। व्यवस्था चरमराने लगी। नियंत्रण कमजोर पड़ने लगा। न हमारे पास पर्याप्त ऑक्सीजन है, न रेम्देसिवियेर इंजेक्शन हैं, हैं भी तो कालाबाजारी करने वालों के पास, जो दूसरे महायुद्ध के दिनों की तरह एक-एक इंजेक्शन 50-50 हजार रुपये तक में बेच रहे हैं। कोरोना टेस्ट तक नहीं हो रहे। हो भी रहे हैं, तो पांच दिन तक रिपोर्ट नहीं आ रही। निजी जांच कंपनियों ने हाथ खड़े कर दिए हैं, जो जांचें हो रही हैं, वे सोलह आना भरोसे लायक नहीं हैं। अब हर रोज तीन लाख तक नए मरीज आ रहे हैं। ढाई-तीन हजार मौतें रोज हो रही हैं। आंकड़े घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां तक आशंका व्यक्त की जा रही है कि अभी इसका चरम बाकी है। चारों तरफ अव्यवस्था का आलम है। लोग अस्पताल जाने से घबरा रहे हैं। ये कैसे समय में जी रहे हैं हम? जाहिर है, ऐसी स्थिति में सर्वोच्च अदालत मूक दर्शक बनी नहीं रह सकती। यदि वह सरकार से आगे का रोडमैप मांग रही है, तो गलत नहीं कर रही। व्यवस्था को कसने के लिए अदालतों को न केवल कड़ाई करनी चाहिए, बल्कि कोरोना के खिलाफ युद्ध को वैचारिक रूप से भी बल देना चाहिए। अभी पूरा ध्यान जमीनी स्तर पर सुविधाओं को बहाल करने पर होना चाहिए। जितनी जल्दी हम सुविधाओं को बहाल करेंगे, उतना ही अच्छा होगा। यह वक्त भरोसे को कायम रखने का है और जब अदालतें दोटूक बात करती हैं, तब लोगों का मनोबल बढ़ता है।

आज के ट्वीट

पर्याप्त ऑक्सीजन

भारत दुनिया में ऑक्सीजन के सबसे बड़े उत्पादक देशो में से एक है। हमारी जरूरतों को पूरा करने हेतु हमारे पास पर्याप्त ऑक्सीजन है। क्या सरकार हमें ऑक्सीजन की मौजूदा कमी का कारण बताएगी?

- कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी

प.बंगाल विस चुनाव का आखिरी चरण

मोहन सिंह

पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल को आठवें और अंतिम चरण का चुनाव सम्पन्न होगा। इस चरण में मालदा की छह, मुर्शिदाबाद की ग्यारह, वीरभूमि की सभी ग्यारह और उत्तर कोलकाता की शेष सात सीटों पर मतदान होगा। विधानसभा चुनाव के इस अंतिम चरण में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की चुनावी सेनाएं मुर्शिदाबाद और मालदा के रणक्षेत्र में पूरी तैयारी से जुटी हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बेहरामपुर के सर्किट हाउस से मुर्शिदाबाद और मालदा से अपना चुनावी अभियान चला रहीं है, तो भाजपा के राज्य स्तर के सभी नेता दिलीप घोष, सुबेन्दु अधिकारी, लाकेट चटर्जी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी विधानसभा चुनाव की बाजी अपने पक्ष में करने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रही हैं। ममता बनर्जी अपने भाषणों में लगातार ऐलान कर रही हैं कि इसबार उनकी सरकार वापसी के लिए दिनाजपुर, मुर्शिदाबाद और मालदा को विशेष भूमिका अदा करनी है। मुर्शिदाबाद और मालदा ये दोनों बंगालदेश से लगे और अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र हैं। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, अल्पसंख्यक बाहुल्य समुदाय की दहशत की वजह और पिछले दस साल के सत्ता विरोधी रुझान मुर्शिदाबाद और मालदा के कई विधानसभा चुनावों को प्रभावित कर रहे हैं। मुर्शिदाबाद की कुल 22 सीटों में दो विधानसभा क्षेत्र जंगीपुर और शमशेरगंज का चुनाव दो प्रत्याशियों की मृत्यु की वजह से स्थगित हो गया है। वहां अब 16 मई को चुनाव होंगे। एक जमाने में मुर्शिदाबाद और मालदा में कांग्रेस का मजबूत आधार रहा है। इन विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस मुर्शिदाबाद की कुल बाइस में से सत्रह विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। पर इसबार विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यक मतों का जिस तरह तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में ध्रुवीकरण हुआ है, इस वजह से कांग्रेस की संभावना थोड़ी कमजोर दिख रही है। स्थानीय लोगों से बातचीत में यह भी संकेत मिल रहे हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय के बहुतेरे लोग जो कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में गए, उनकी कांग्रेस में वापसी हुई, इस वजह से इस इलाके में कांग्रेस की सम्भावना उतनी कमजोर नहीं है, जितनी बतायी जा रही है। ममता सरकार के हर विरोधी को गलत पुलिस केस में फंसाने की वजह से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भी नाराजगी है। पेशे से अध्यापक निबिर घोष बताते हैं कि इसबार विधानसभा सभा चुनाव में मुर्शिदाबाद के शहरों में जहां सत्ता विरोधी रुझान है, वहीं गांवों और शहर दोनों जगह धार्मिक ध्रुवीकरण भी चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकता है। जाहिर है कि इस वजह से भाजपा आठवें चरण के चुनाव में मुर्शिदाबाद की बेलडांगा, कांदी और मुर्शिदाबाद में बेहतर चुनावी संभावनाओं की उम्मीद कर रही है। बेहरामपुर विधानसभा चुनाव के नतीजे के बारे में इस विधनसभा के स्थानीय निवासी अरविंदम दावा करते हैं कि इसबार यह सीट भाजपा जीत सकती है। जिला मुख्यालय होने की वजह से इस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता इसबार अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। मुर्शिदाबाद में गांवों से शहरी इलाके की ओर पलायन भी पिछले एक दशक में जबरदस्त हुआ है और यह मुद्दा चनावी नतीजों को प्रभावित करता दिखाई दे रहा है। पूरे मालदा में एक समय अब्दुल गनी खान चौधरी परिवार का दबदबा रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी इस परिवार के अबु हसन खान चौधरी चुनाव जीतने में कामयाब हुए। पर इसबार विधानसभा चुनाव में असली लड़ाई स्थानीय व्यवसायी सुमन करमाकर के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है। सन 2016 के विधानसभा चुनाव में वैष्णवनगर सीट भाजपा जीती थी। इसबार विधानसभा चुनाव में मालदा, इंग्लिश बाज़ार और मालतीपुर सीट पर भाजपा अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रही है। मालदा जिले से तृणमूल कांग्रेस की पिछले विधानसभा चुनाव में भी कोई खास सफलता नहीं मिली थी। पर इसबार अल्पसंख्यक बाहुल्य मोथाबाड़ी और सुजापुर में तृणमूल कांग्रेस की बेहतर चुनावी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही है। इस इलाके में घुसपैठ, कालाबजारी, नकली नोट का चलन और गांवों से शहरों की ओर पलायन के मुद्दे मतदाताओं के मन मिजाज को प्रभावित करते लग रहे हैं। जाहिर है कि इसबार चुनावी नतीजे ध्रुवीकरण के अलावा इन मुद्दों के आधार पर भी तय होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। सरकारी भ्रष्टाचार और दुर्नीति भी अहम मुद्दे हैं जो सरकार विरोधी रुझान को इस विधानसभा चुनाव में प्रकट कर रहे हैं। वीरभूमि की जिन ग्यारह सीटों का चुनाव आठवें चरण में होना है, वहां तृणमूल सरकार का भ्रष्टाचार, तोलाबाजी बालू-गिट्टी के व्यवसाय में सरकार समर्थक गिरोह की दादागिरी और आमजन की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाली पेयजल की समस्या मतदाताओं में सरकार परिवर्तन की चाहत बयां कर रही है। जनता को मुफ्त में मिलने वाले राशन में गनडोगोल, चावल घोटाला लोगों के जेहन में ताजा है। पिछले पंचायत चुनाव के वक्त मे पर्चा दाखिल न करने देने, चुनावों में खूनखराबा, व्यापक पैमाने पर हुई धांधली की वजह से आमजन में बेहद गुस्सा है। सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी कुणाल रॉय बताते हैं कि दो महीने पहले से ही लोगों ने इस सरकार को बदलने का मन बना लिया था। स्थानीय निवासी आशीष मंडल दावा करते हैं कि झारखंड से सटे होने और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ममता बनर्जी के समर्थन के बावजूद इलाके के ज्यादातर आदिवासियों में ममता सरकार के प्रति बेहद गुस्सा है। यहां भी इस चुनाव चर्चा में यह बात सामने आ रही है कि विकास के अलावा धार्मिक आधार पर हुए ध्रुवीकरण को लोग चुनावी नतीजों को प्रभावित करने वाला एक अहम मुद्दा मान रहे हैं। इस वजह से अल्पसंख्यक बाहुल्य मुरारई, संथिया, हासन और बोलपुर मे टीएमसी की स्थिति को मजबूत बताया जा रहा है। रामपुरहाट, मयूरेश्वर, लाभपुर ,नलहाटी, दुबराजपुर और कुछ अन्य विधानसभा क्षेत्रों में इस बिना पर ही चुनावी नतीजे तय होने की उम्मीदें जताई जा रही है। पेशे से पेंटर और सामाजिक राजनीतिक रूप से जागरूक चंचल मुखर्जी का दावा है कि पश्चिम बंगाल में इसबार सत्ता का परिवर्तन अवश्य होना है और वीरभूमि की कुल ग्यारह सीटों कम से कम पांच और अधिकतम सात सीट भाजपा जीत सकती है। उत्तर कोलकाता के जिन सात सीटों पर आठवें चरण का मतदान होना है ये वे सीटें हैं जहां शहरों में बढ़त को पिछले लोकसभा चुनाव में रोक दिया था। इस इलाके में सबसे ज्यादा चुपचाप वोट करने वाले मतदाताओं की अच्छी खासी है और भाजपा के मुकाबले तृणमूल कांग्रेस का मजबूत संगठन भी है। स्थानीय क्लबों का हस्तक्षेप जीवन के हर क्षेत्र में है। इस इलाके के भद्रोलोक को पश्चिम बंगाल के हर राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव को नेतृत्व, नियंत्रण और वैचारिक आधार तैयार करने का अभिमान है। इस इलाके में बाहरी-भीतरी, बंगाली-गैर बंगाली, बोली भाषा का मुद्दा भी खुलकर सामने आ रहा है। आमजन में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भय भी है इसलिए हर कोई चुनाव के बाबत अपनी राय व्यक्त करने में झिझकता है। भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं में भी गांवों के मुकाबले एक अजीब किस्म की उदासीनता का माहौल दिखाई देता है। फिर भी भाजपा जोड़ासांकू से मीना पुरोहित को तृणमूल कांग्रेस के विवेक गुप्ता के मुकाबले लड़ाई में मान रहीं है। मानिकतला में पहले कांग्रेस और बाद में टीएनस से कई बार विधायक रहे साधन पांडे के मुकाबले मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी भाजपा के कोलन चौबे के बीच दिलचस्प मुकाबले की संभावना जतायी जा रही है। बेलियाघाटा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक परेश पॉल का मुकबला मकुल रॉय के नजदीकी काशीनाथ विश्वास से है। जोट के प्रत्याशी इस मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के लिए संघर्षरत हैं। श्यामापुकुर से अजित पंजा की पुत्रवधू शशि पंजा का मुकाबला भाजपा के विश्वनाथ विश्वास से है। यहां कांटे का संघर्ष होने की संभावना है। काशीपुर बेलगछिया में तृणमूल कांग्रेस के अतिन घोष का मुकाबला भाजपा के शिवाजी सिंह रॉय से है और यहाँ कांटे का संघर्ष होने की संभावना है। चौरंगी में सुदीप बंगोपाध्याय की पत्नी नैना बंगोपाध्याय का मुकाबला भाजपा के देवदत्त मांझी से है। इस विधानसभा में दिलचस्प मुकाबले की संभावना बतायी जा रही है।पर पलड़ा तृणमूल के पक्ष में भी भारी होने के दावा किया जा रहा है। इंटाली में तृणमूल कांग्रेस के सौनक साहा का मुकाबला भाजपा की महिला प्रत्यासी प्रियंका टेकरीवाल से है। शहरों की इस अंतिम चरण के चुनाव के लिए भाजपा ने रोड शो और सघन रैलियों के जरिये माहौल बनाने की रणनीति तैयार की थी, जो चुनाव आयोग की पाबंदी की वजह से परवान न चढ़ सकी। फिर भी विधानसभा चुनाव के मुद्दे और चुनावी टोन छठे चरण के मतदान के बाद पूरी तरह से सेट हो चुका था। इस उम्मीद के भरोसे ही भाजपा शहरों में तृणमूल कांग्रेस के अपेक्षाकृत मजबूत संगठन का मुकाबला कर रही है। भाजपा की तुलना में तृणमूल कांग्रेस का बहुत बड़ा दांव मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर तथा दक्षिण दिनाजपुर के बाद इन शहरी सीटों पर ही लगा है। भाजपा को इन शहरी सीटों में जो भी सीटें मिलेंगी, वह उसकी जीत के दावे को और पुख्ता ही करेगी। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा | भक्ति

जग्गी वासुदेव

भारतीय संस्कृति में यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप किसी मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह एक अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की एक जबरदस्त कुशलता है। किसी पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। एक पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह एक शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है- लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए। यही कारण है कि इस जमीन और इस संस्कृति को अनगिनत आत्मज्ञानी मिले। सारी दुनिया में, कहीं भी, अगर लोगों को झुकना है तो उनके आगे एक खास तरह का आकार होना चाहिए, नहीं तो वे नहीं झुक सकते। पर अगर आप एक पत्थर या छड़ी, एक कीड़े या चिड़िया के सामने झुकने को तैयार हैं, तो उनमें से कोई भी आपके लिए एक रास्ता बन सकता है, और आपके लिए कोई दरवाजा खोल सकता है-फिर आपके लिए संभावनाओं का कोई अंत नहीं है। इस रु झान की वजह से लोगों ने हर कहीं करोड़ों संभावनाएं खोल दीं। भक्ति का मतलब है एक खास निष्ठा-यानी आपका पूरा ध्यान हमेशा एक ही चीज में है। अगर आप लगातार एक ही चीज पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, तो आप ऐसे हो जाते हैं कि आपके विचार, आपकी भावनाएं और सब कुछ बस उस एक ही दिशा में लग जाते हैं, और तब 'कृपा' स्वाभाविक रूप से होगी क्योंकि आप ग्रहणशील बन जाते हैं। आप किस चीज या किस व्यक्ति के भक्त हैं, यह कोई मुद्दा नहीं है। अगर आप यह सोचते हैं, 'नहीं! मैं एक भक्त होना चाहता हूं पर मुझे शंका है कि भगवान हैं या नहीं'-तो यह एक सोचने वाले मन की दशा है। आपको यह जानना जरूरी है कि भगवान नहीं हैं पर जहां कोई भक्त है, वहां भगवान हैं। भक्ति की शक्ति ऐसी है कि वो सृष्टिकर्ता को भी बना सकती है। हम जिसे भक्ति कहते हैं, उसकी गहराई ऐसी है कि चाहे भगवान का अस्तित्व न हो, तो भक्ति भगवान का अस्तित्व बना भी सकती है।

अनाज के हर दाने को सहेजना जरूरी

दीपिका अरोड़ा

गेहूं की कटाई का सिलसिला आरम्भ हो चुका है, मंडियों में गेहूं के अंबार लगने लगे हैं। मगर इसके साथ ही मौसम भी मनमानी करवटें ले रहा है। कभी सुनहरी धूप, कभी धूल भरी आंधी, तो कभी अकस्मात ही रिमझिम की बौछारें। कृषि व्यवसाय से मौसम का गहरा नाता रहा है। फ़सली चक्र के अनुरूप मौसम की अनुकूलता रोपित फ़सल के संवर्द्धन में जहां अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होती है वहीं अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि एवं तुषारापात आदि संभावित उपज दर के लिए प्रतिकूलता का पर्याय बनते हैं। ख़ासतौर पर कटाई से दुलाई तक के अंतिम पड़ाव पर मौसम का साफ रहना अनिवार्य हो जाता है। लेकिन यदि देश की मंडी व्यवस्था की बात करें तो बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित करने पर भी मंडियों की अवस्था में संतोषजनक परिवर्तन नहीं आ पाया। अभी भी फ़सलों के उचित रखरखाव एवं भंडारण हेतु अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध नहीं। हाल ही में व्यवस्था का सत्य दर्शाती कुछ तस्वीरें भी प्रकाशित हुईं। विडंबना की पराकाष्ठा है कि प्रति वर्ष करोड़ों टन अनाज सरकारी कुप्रबन्धन की बलि चढ़ जाता है। भारत में अनाज का अनुमानित उत्पादन 30 करोड़ टन है। एफसीआई मात्र 8 करोड़ टन की ख़रीद करता है जो कि कुल उत्पादन का क़रीब एक-चौथाई बनता है। बचे हुए खाद्यान्न का अधिकतर भाग खुले में ही पड़ा रहता है। वर्षा की बौछारें कहर बनकर आती हैं, न केवल किसान के अनथक परिश्रम पर ही पानी फिरता है अपितु लाखों-करोड़ों की संख्या में लोगों की भोजन उपलब्धता पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाता है। जो अनाज भुखमरी एवं कुपोषण के आंकड़े को शून्य तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो सकता था, अभक्ष्य हो जाने के कारण फेंकना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 50 किलो प्रति व्यक्ति भोजन की बर्बादी होती है। प्रति वर्ष भारत के कुल गेहूं उत्पादन में से क़रीब 2 करोड़ टन गेहूं नष्ट हो जाता है। यही कारण है कि प्रचुर मात्रा में खाद्य उत्पादन होने पर भी 'वैश्विक भूख सूचकांक 2020' में सर्वाधिक भूख से पीड़ित देशों की सूची में भारत 94वें स्थान पर रहा तथा 27.2 अंकों के साथ 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। प्राप्त आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत की 14 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषणग्रस्त है तथा देश के बच्चों में स्टंटिंग रेट 37.4 प्रतिशत है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में गरीब लोगों की बड़ी आबादी भारत में है। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात करें तो खाद्यान्न बर्बादी का मामला संज्ञान में आने पर यदि संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जांच के आदेश होते हैं तो यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है, जब तक कि वे सेवामुक्त नहीं हो जाते। अन्न की बर्बादी के कारण भूखजनित समस्याओं में वृद्धि हो रही है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग पचास हज़ार करोड़ रुपये का अन्न हर साल बर्बाद होता है, जिसका मूल कारण भंडारण स्थान की कमी व उचित रखरखाव की सुविधाओं का अभाव है। इससे न केवल देश एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अपितु वैश्विक पर्यावरण भी ख़ासा प्रभावित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य पदार्थों की बर्बादी से ग्रीनहाउस गैस में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। किसानों पर भी इसका सीधा असर पड़ता है। देश में चल रहा किसानों का विरोध-प्रदर्शन इस बात का गवाह है कि अधिक मात्रा में उत्पादन होने पर भी, कारग़र नीतियों के अभाव में, किसानों को अपने अथक परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। करीब 40 प्रतिशत अनाज खेतों से घरों तक पहुंच ही नहीं पाता। मंडियों में अनाज व अन्य खाद्य पदार्थों को संभाल कर रखने के लिए सही मूलभूत ढांचा ही नहीं, जिस कारण खाद्य सामग्री सड़-गल कर बर्बाद हो जाती है। यही सामग्री यदि लोगों तक अपनी पहुंच बना पाए तो निश्चित तौर पर भुखमरी का आंकड़ा कम होगा। कोई भी सरकार जब सत्ता में आती है तो विकास का लक्ष्य अधिकतर बड़ी योजनाओं पर केंद्रित रहता है। किंतु सोचने की बात है कि देशवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हुए बग़ैर देश का विकास भला कैसे संभव है? भोजन जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रति वर्ष 25.1 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादित होने के बावजूद जहां हर चौथा भारतीय भूखा सोए और देश के 19 करोड़ लोगों को दो वक़्त का खाना तक न मिल पाए, वहां तकनीकी विकास के क्या मायने रह जाते हैं? खाद्यान्न की बर्बादी को कम करना है तो देश की उत्पादन क्षमता के अनुसार ही, खाद्य उत्पादन प्रसंस्करण, संरक्षण और वितरण प्रणालियों को भी विकसित करना होगा। स्मरण रहे, जब तक अन्न के हर दाने को सहेजने हेतु उचित प्रबन्धन नहीं होगा, तब तक भारत को कुपोषण एवं भुखमरी मुक्त राष्ट्र बनाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तनाव से मुक्ति के लिए जरूर जाएं शत्रुंजय की पहाड़ी

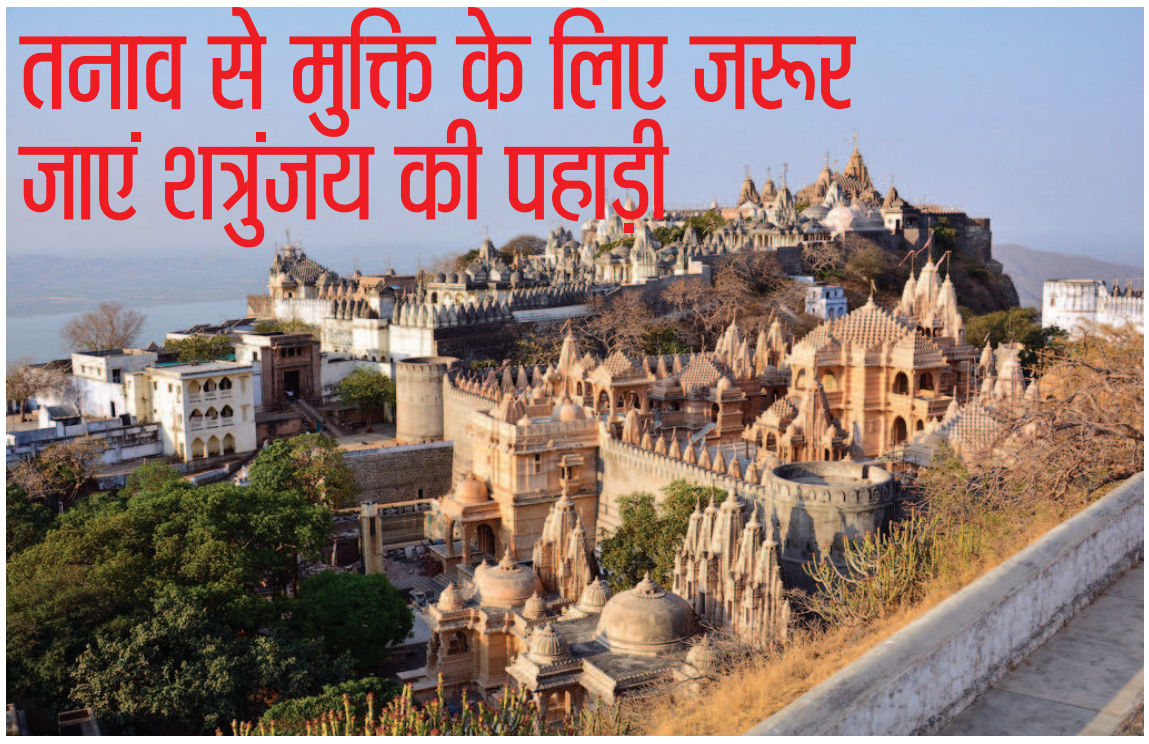

आजकल की भागदौड़ भरी इस जिंदगी में हर इंसान कहीं न कहीं तनाव से घिरा हुआ है। कभी-कभी काम की चिंता के कारण या फिर जीवन की समस्याओं के कारण हम हमेशा तनाव में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तनाव का हमारे दिलोदिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए हमें अपने लिए थोड़ा समय घूमने फिरने के लिए अवश्य निकालना चाहिए और ऐसी जगहों पर जाना चाहिए जहाँ हमारा तनाव कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि तनाव से बचने के लिए ध्यान, योग, जीवन शैली में सुधार और मानसिक शांति के लिए आप कहीं अच्छी रमणीक जगह पर घूमने जा सकते हैं। ऐसे में अगर आप कहीं जाने की योजना बना रहे हैं तो हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहाँ आप शांति पा सकते हैं और वो जगह है शत्रुंजय की पहाड़ी। तो आइए जानते हैं इस जगह के बारे में।

शत्रुंजय की पहाड़ी के बारे में

दरअसल, शत्रुंजय का शाब्दिक अर्थ है जीत। शत्रुंजय पहाड़ी शांति और आध्यात्मिकता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। हर साल बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं और शांति के पल बिताते हैं। शत्रुंजय पहाड़ी गुजरात के ऐतिहासिक शहर पालिताना के पास स्थित है। हालाँकि, इस शहर के पास पाँच पहाड़ियाँ हैं, लेकिन शत्रुंजय पहाड़ी को सबसे पवित्र पहाड़ी माना जाता है। यह पहाड़ी समुद्र तल से 164 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इस पहाड़ी पर सैकड़ों जैन मंदिर हैं। वे सभी शतरुंजी नदी के तट पर स्थित हैं। शत्रुंजय हिल को 'आंतरिक शत्रुओं पर विजय का स्थान' के रूप में भी जाना जाता है।

आपको जानकर शायद आश्चर्य होगा कि इस पहाड़ी तक पहुंचने के लिए आपको 375 पत्थर की सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इन सीढ़ियों पर चढ़ते समय आप प्रकृति के अद्भुत दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। आप इस शांतिपूर्ण जगह में रहने का एक वास्तविक सुखद एहसास प्राप्त कर सकते हैं। शहरों की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर, आप यहां पर केवल शांति के पल बिता सकते हैं। यहां समय बिताने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही यह कई तरह के तनाव से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित मंदिरों के निर्माण के बारे में कहा जाता है कि इनका निर्माण 900 साल पहले हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन बड़ी संख्या में लोग इस पहाड़ी पर पहुंचते हैं। ऐसा माना जाता है कि जैन धर्म के संस्थापक आदिनाथ, जिन्हे ऋषभ के नाम से भी जाना जाता है, ने इस शिखर पर स्थित रियान वृक्ष के नीचे कठिन तपस्या की थी। उसी स्थान पर आदिनाथ का मंदिर भी आज मौजूद है। इतना ही नहीं, बल्कि मुस्लिम संत अंगार पीर का स्थान भी मंदिर के परिसर में ही स्थित है।

कहा जाता है कि उन्होंने मुगलों से इस शत्रुंजय पहाड़ी की रक्षा की थी। इसलिए, उनके साथ अंगार पीर को मानने वाले मुस्लिम लोग भी शत्रुंजय पहाड़ी पर आते हैं और उनकी कब्र पर नमाज अदा करते हैं। कहा जाता है कि यहां आकर जो कोई भी कोई मुराद मांगता है तो निश्चय ही उनकी मन की इच्छाएं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हर साल लोग अपने परिवार, अपने दोस्तों और अपने सहयोगियों के साथ यहां पहुंचते हैं। तो आप भी एक बार यहां जरूर जा सकते हैं।

शत्रुंजय हिल कैसे पहुचें?

- हवाईजहाज से: पालिताना शहर, जहाँ पर शत्रुंजय हिल स्थित है, भावनगर एयरपोर्ट से 56 किलोमीटर दूर स्थित है। भावनगर से पालिताना जाने के लिए कोई भी निजी वाहन लिया जा सकता है।
- रेल द्वारा: पालिताना ट्रेन द्वारा भावनगर और अहमदाबाद से पहुंचा जा सकता है।
- सड़क द्वारा: पालीताना, जो भावनगर से 56 किलोमीटर दूर और अहमदाबाद से 215 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, सड़क मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

शत्रुंजय हिल की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है

अक्टूबर से मार्च के महीनों के बीच शत्रुंजय हिल की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय होता है। नवंबर से फरवरी पीक सीजन होता है। शत्रुंजय हिल मानसून के मौसम के दौरान बंद रहता है।

पलिताना में घूमने के लिए प्रमुख पर्यटक स्थल

पालिताना गुजरात के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो धर्म में दृढ़ता से विश्वास रखते हैं तो यह आपके लिए यह एक उपयुक्त जगह है। पालिताना में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन स्थानों की सूची यहाँ दी जा रही है।

- हस्तगिरी जैन तीर्थ
- शत्रुंजय हिल्स
- श्री विशाल जैन संग्रहालय
- तलजा टाउन
- गोपनाथ बीच

यदि आप शत्रुंजय हिल की यात्रा करने के इच्छुक हैं, तो आप गुजरात के यात्रा कार्यक्रम पर भी एक नज़र डाल सकते हैं और एक या दो दिन के लिए भावनगर से शत्रुंजय हिल को कवर कर सकते हैं।

जानिए उस जगह के बारे में, जहां हुआ था लव-कुश का जन्म

रामायण तो अधिकतर लोगों ने देखी-पढ़ी या सुनी है। भगवान श्री राम और सीता के दो सुपुत्र लव और कुश के बारे में भी हर कोई जानता है। अगर आपने रामायण देखी होगी तो आपको यह पता होगा कि जब भगवान राम ने सीता का त्याग किया था, उस समय वह गर्भवती थी। बाद में ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में उन्होंने शरण ली थी और वहीं पर लव-कुश का जन्म हुआ था। लेकिन क्या आपको यह पता है कि ऋषि वाल्मीकि का यह आश्रम कहां पर था और अब वर्तमान में यह स्थान कहां स्थित है। शायद नहीं। तो चलिए आज हम आपको उस स्थान के बारे में बता रहे हैं-

यूपी में है यह स्थान

आपको शायद पता ना हो लेकिन ऋषि वाल्मीकि का आश्रम वर्तमान युग के अनुसार उत्तरप्रदेश में स्थित था। यह आश्रम कानपुर शहर से करीबन 17 किलोमीटर दूर बिठूर गांव में स्थित है। बिठूर गंगा के दाहिने किनारे पर स्थित है, और हिंदू तीर्थयात्रा का एक केंद्र है। ऐसा कहा जाता है कि यह वहीं आश्रम है, जहां पर बैठकर ऋषि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की थी। बिठूर भले ही एक छोटा सा गांव है, लेकिन लव-कुश का जन्म स्थान माना जाने वाला यह स्थान स्थानीय लोगों के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण है। साथ ही यहां पर आने वाला हर व्यक्ति इस जगह का दर्शन अवश्य करता है।

स्थित है वाल्मीकि आश्रम

बिठूर में आज भी वाल्मीकि आश्रम के निशान देखे जा सकते हैं। यह हिन्दू धर्म और पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बेहद ही महत्वपूर्ण स्थान है, यहां पर माता सीता के अपने जीवन का एक लम्बा समय व्यतीत किया। इसके अलावा, यह लव-कुश की जन्मस्थली है और यहीं पर रामायण भी लिखी गई। साथ ही लव-कुश ने इसी स्थान पर ऋषि वाल्मीकि से शिक्षा भी प्राप्त की थी। इसके अलावा यहां पर राम जानकी मंदिर व लव-कुश मंदिर भी है।

यहीं पकड़ा था अश्वमेघ यज्ञ का अश्व

भगवान राम के अश्वमेघ यज्ञ के अश्व को भी लव-कुश ने बिठूर में ही पकड़ा था। वाल्मीकि जी की रामायण में भी इसका उल्लेख मिलता है। बाद में जब राम भक्त हनुमान यहां अश्व को छुडाने के लिए आये थे, तो वे भी लव-कुश से परास्त हो गए थे और लव-कुश ने उन्हें बंधक बना लिया था। इस गांव में आज भी उस स्थान को देखा जा सकता है, जहां पर लव-कुश ने हनुमान जी को कैद किया था।

बेबीमून को यादगार बनाने के लिए भारत में यह 5 जगह हैं सबसे बेस्ट!

आजकल ज्यादातर लोग अपने हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े पलों को यादगार बनाना चाहते हैं। इसलिए अपने हर पलों को अच्छे से मनाना चाहते हैं। फिर चाहे शादी की सालगिरह हो या फिर बर्थडे। हालांकि, मैरीज लाइफ में इसके अलावा भी कई और खास चीजें होती हैं इन्हीं में से एक बेबीमून आज के दौर में काफी चर्चित हे। ये एक तरह से हनीमून के जैसे ही होता है फर्क इतना होता है कि पति अपनी गर्भवती पत्नी के साथ कहीं बाहर घूमन जाते है। इस तरह से वो अपने घर में आने वाले नए सदस्य की शुरुआत करते हैं।

वहीं, अगर आप भी बेबीमून का प्लान बना रहे हैं, लेकिन आपको कोई ढंग की सूझ नहीं रही है तो ऐसे में आज हम आपको जिन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वो आपके इस प्लान को पूर कर सकते हैं। आइए आपको उन जगहों के बारे में बताते हैं जो बेबीमून के लिए बेहतरीन रहेगीं...

पुडुचेरी

बेमीमून के लिए पुडुचेरी भी एक अच्छी जगह है। यहां की खूबसूरती देखकर आप तनाव मुक्त रहेंगे। साथ ही आपका और आपके पार्टनर का मूड भी काफी अच्छा बना रह सकता है। यहां आप तरह-तरह के स्वादिष्ट भोजन और नए स्वाद लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा यहां से सनसेट का दृश्य देखकर आपको काफी अच्छा महसूस हो सकता है। यहां पर कई ऐसी जगह हैं जहां आप घूम सकते हैं। यहां बेबीमून के लिए हर वर्ष काफी संख्या में कपल्स आते हैं।

लैंसडाउन

उत्तराखंड अपनी प्रकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां स्थित लैंसडाउन बेबीमून के लिए काफी अच्छी जगह मानी जाती है। यहां आप झील, पहाड़, नदी, झरने समेत कई सुंदर नजारे देख सकते हैं। लैंसडाउन अपनी खूबसूरती के साथ-साथ शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। भारतीय जवानों की छावनी होने के कारण ये जगह सुरक्षित भी मानी जाती है।

नैनीताल

नैनीताल की सुंदरता से आपका मन बेहद खुश हो सकता है। ये जगह बेबीमून के लिए बेस्ट मानी जाती है। यहां आप नैनी झील, टिफिन टॉप, नैनी पार्क जैसी कई अन्य जगह देख सकते हैं। यहां आप बोटिंग भी कर सकते हैं। इसके जरिए प्रकृतिक सुंदरता और शांति का भी लुत्फ उठा सकेंगे। अगर आप शांत वातावरण की तलाश कर रहे हैं तो नैनीताल एक बेस्ट ऑप्शन है। यहां पहुंचने के लिए आप रोड या हवाई मार्ग से भी जा सकते हैं। हवाई मार्ग से जाने पर आपको देहरादून जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचकर सड़क मार्ग के जरिए नैनीताल पहुंचना होगा।

उदयपुर

बेबीमून के लिए उदयपुर एक अच्छी जगह है। यहां हर साल कई लोग घूमने के लिए आते हैं। यहां राजा-महाराजाओं के महल, किले और झीलों का आनंद लिया जा सकता है। बेबीमून के लिए ये जगह काफी शांत है, यहां आप तनाव से दूर और खुशी मन के साथ अच्छे पल बिता सकेंगे।

महाबलेश्वर

बेबीमून के लिए आप महाबलेश्वर भी जा सकते हैं। यहां की खूबसूरती देखकर आपका दिल बाग-बाग हो सकता है। प्रकृति की गोद में बसे इस शहर में हर वर्ष कई सैलानी घूमने आया करते हैं। यहां आप सुंदर दृश्य और वॉटरफॉल्स का आनंद ले सकते हैं।

रुपये में तीसरे दिन भी तेजी, 30 पैसे प्रति डॉलर मजबूत हो 74.36 पर बंद

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में भारी तेजी के कारण रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी आई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 30 पैसे की तेजी के साथ 74.36 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.49 प्रति डॉलर पर खुला। उसके बाद कारोबार के दौरान यह 74.29 से 74.50 रुपये प्रति डॉलर के बीच रहा। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 30 पैसे की तेजी दर्शाता 74.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 74.66 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी आई है जिस दौरान रुपया 65 पैसे मजबूत हुआ है। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 91.03 हो गया। इस बीच, वैश्विक मानक माने जाने वाला ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.54 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 789.70 अंकों की तेजी के साथ 49,733.84 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 1,454.75 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

कोविड की दूसरी लहर से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटने का जोखिमः एसएंडपी

नयी दिल्ली. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बुधवार को कहा कि कोविड संक्रमण की दूसरी लहर से भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटने का जोखिम पैदा हो गया है और इससे कारोबारी गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि दूसरी लहर के चलते अनिश्चितता का वातावरण है और कोविड का प्रकोप लंबा चला तो ये भारत की भरपाई को प्रभावित करेगा। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, ''ऐसे में हमें वित्त वर्ष 2021-2022 के लिए 11 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान को संशोधित करना पड़ सकता है, खासतौर पर तब जब सरकार व्यापक प्रतिबंधों को लागू करने के लिए बाध्य हो।'' आधिकारिक अनुमानों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आठ प्रतिशत घटी है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर बेहद गंभीर है। मानवीय चिंताओं के अलावा एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का मानना है कि इससे जीडीपी वृद्धि के लिए जोखिम पैदा हो गया है और व्यापार बाधित होने की आशंका है।''

नए टूल्स पर काम कर रहा इंस्टाग्राम

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक के स्वामित्व वाला इंस्टाग्राम नए टूल्स के एक सेट पर काम कर रहा है, जिससे यूजर्स को इसके मंच से पैसा बनाने में मदद मिलेगी, जिसमें क्रिएटर शॉप्स, संबद्ध वाणिज्य और ब्रांडेड कंटेंट मार्केटप्लेस शामिल हैं। फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी के साथ एक लाइव स्ट्रीम के दौरान आगामी फीचर्स की घोषणा की। इनगजट की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिएटर्स शॉप्स कंपनी की मौजूदा खरीदारी सुविधाओं का विस्तार होंगी, जो व्यवसायों को उत्पादों को बेचने की अनुमति देती है। जुकरबर्ग ने कहा कि हम बहुत से रचनाकारों को शॉप्स (दुकानें) स्थापित करते हुए देखते हैं और कंटेंट क्रिएटर व्यवसाय मॉडल होने का एक हिस्सा यह है कि आप ग्रेट कंटेंट बना सकते हैं और फिर आप बेहतरीन तरीके से सामान बेच सकते हैं और इसलिए क्रिएटर शॉप्स कमाल की हैं। जुकरबर्ग ने यह भी कहा कि कंपनी ऐसे टूल्स (उपकरणों) पर काम कर रही है, जो इंस्टाग्राम स्टार्स को उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भुगतान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि क्रिएटर्स को उन चीजों की बिक्री में कटौती करने में सक्षम होना चाहिए, जिसकी वह अनुशंसा कर रहे हैं और इसके लिए हमें एक संबंधित रिकमंडेशन मार्केटप्लेस का निर्माण करना चाहिए। इंस्टाग्राम एक ब्रांडेड कंटेंट मार्केटप्लेस पर भी काम कर रहा है, जो प्रायोजकों के साथ मैच इन्फलुएंसर्स की मदद करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, नए उपकरणों को लेकर अभी भी काम चल रहा है।

शेयर बाजार में तीसरे दिन भी तेजी रही, सेंसेक्स 790 , निफ्टी 211 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। बुधवार को मुम्बई शेयर बाजार 857अंकों की भारी तेजी के साथ 49,801.48 अंकों पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.70 अंकों की तेजी के साथ 49,733.84 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 211.50 अंकों की तेजी के साथ 14,864.55 पर बंद हुआ। देश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बाद भी बाजार में इस तेजी का कारण अच्छी खरीददारी के साथ ही विदेशी बाजारों से मिले अच्छे संकेत रहे हैं। शुरुआती दो दिनों की तरह ही तीसरे दिन भी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स सुबह 122 अंकों की तेजी के साथ 49,066.64 पर खुला। वहीं दोपहर में सेंसेक्स 857 अंकों की भारी उछाल के साथ 49,801.48 पर पहुंच गया पर इसके बाद बाजार में गिरावट आने से अंत में सेंसेक्स 789.70 अंकों की तेजी के साथ 49,733.84 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी सुबह 57 अंकों की तेजी के साथ 14,710.50 पर खुला। निफ्टी दोपहर में करीब 237 अंकों की उछाल के साथ 14,890.25 पर पहुंच गया पर कारोबार के अंत में निफ्टी 211.50 अंकों की तेजी के साथ 14,864.55 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान मेटल और फार्मा के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल सूचकांक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.7 से 1 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी। कारोबार के दौरान करीब 1730 शेयरों में तेजी और 1180 में गिरावट आई। वहीं इसके पहले सोमवार और मंगलवार को भी शेयर बाजार में तेजी रही थी।

एसबीआई निदेशक मंडल ने बांड के जरिये 2 अरब डॉलर जुटाने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली. देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने कहा है कि उसके केंद्रीय निदेशक मंडल ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष में बांड के जरिये 2 अरब डॉलर (करीब 14,880 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दे दी। भारतीय स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि केंद्रीय निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति की 28 अप्रैल, 2021 को हुई बैठक में लंबी अवधि के लिये एक बार या कई किस्तों में 2 अरब डॉलर जुटाने को मंजूरी दी गयी है। कोष चालू वित्त वर्ष में डॉलर या अन्य परिवर्तनीय मुद्रा में सार्वजनिक पेशकश और/ या निजी नियोजन आधार पर जुटाया जाएगा। एसबीआई का शेयर बीएसई में 2.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 363.30 रुपये प्रति इक्विटी पर बंद हुआ।

मारुति ने कोविड-19 के चलते फैक्टरी को मरम्मत के लिए समय से पहले बंद करने का फैसला

नयी दिल्ली,

देश की प्रमुख कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) बुधवार को कहा कि देश में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच उसने अपने कारखानों को तय समय से पहले 1-9 मई के बीच बंद रखने का फैसला किया है। ऑटो विनिर्माता को गुरुग्राम और मानेसर स्थित दो संयंत्रों को जून में मरम्मत के लिए बंद करना था, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के चलते उन्हें चिकित्सा इस्तेमाल के लिए ऑक्सीजन बचाने के लिए एक महीने पहले ही बंद करने का फैसला किया गया। एमएसआई ने कहा कि कार विनिर्माण की प्रक्रिया के तहत उसके कारखानों में ऑक्सीजन की छोटी मात्रा का उपयोग किया जाता है, जबकि कलपुर्जा विनिर्माताओं द्वारा अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में ऑक्सीजन का उपयोग होता है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया, ''मौजूदा हालात में हम मानते हैं कि सभी उपलब्ध ऑक्सीजन का इस्तेमाल जीवन बचाने के लिए किया जाना चाहिए। इसलिए मारुति सुजुकी ने अपने कारखानों को रखरखाव के लिए समय से पहले बंद करने का फैसला किया है।'' इस दौरान सभी कारखानों में उत्पादन बंद रहेगा। कंपनी ने कहा कि सुजुकी मोटर गुजरात ने अपने कारखाने के लिए भी ऐसा ही निर्णय लिया है।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में आगे आईं फेसबुक, एप्पल, गूगल और वीवो, ऐसे कर रहीं मदद

बिजनेस डेस्क:

भारत की कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में फेसबुक, एप्पल, अमेजॉन, ओप्पो और विवो सहित तमाम उद्यम अपनी तरफ से आगे बढ़कर समर्थन दे रहे हैं। ये कंपनियां ऑक्सीजनेटर्स, सांस लेने की मशीनें और वेंटीलेटर्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर महामारी के खिलाफ देश को समर्थन दे रहे हैं। अमेजॉन इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने वैश्विक संसाधनों के जरिए 100 वेंटीलेटर्स हासिल किए हैं। इनका देश में तुरंत आयात किया जा रहा है। इनका विमान के जरिए देश में आयात किया जा रहा है और इनके अगले दो सप्ताह में भारत पहुंचने की उम्मीद है।

वायरस पर जल्द नियंत्रण पा लिया जाएगा: जुकरबर्ग

फेसबुक के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि कंपनी यूनिसेफ के साथ मिलकर काम कर रही है और आपात प्रतिक्रिया के तौर पर एक करोड़ डॉलर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा, ''मैं भारत में प्रत्येक के बारे में सोच रहा हूं और उम्मीद कर रहा हूं कि वायरस पर जल्द नियंत्रण पा लिया जाएगा। फेसबुक इस मामले में यूनिसेफ के साथ मिलकर काम कर रहा है और लोगों को यह समझाने का प्रयास कर रहा है कि उन्हें अस्पताल कब जाना चाहिए। आपास प्रतिक्रिया के तौर पर वह एक करोड़ डॉलर दे रही है।

गूगल ने मुहैया कराए 135 करोड़ रुपए

एप्पल के सीईओ टिम कुक और गूगल के भारतीय मूल के सीईओ सुदर पिचाई ने भी कोरोना वायरस से राहत के प्रयासों में अपने अपने योगदान की बात कही है। पिचाई ने कहा कि कंपनी ने और उसके कर्मचारियों ने भारत, यूनीसेफ और अनय संगठनों को उनके प्रयासों में सहयोग के लिए 135 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए है।

विवो इंडिया दे रही 2 करोड़ रुपए

विवो इंडिया ने मंगलवार को कोविड-19 राहत कार्यों में मदद के लिए दो करोड़ रुपए का अनुदान देने की घोषणा की और आक्सीजन संक्रेन्द्रण हासिल करने में मदद के लिए आगे आई है। विवो इंडिया ब्रांड रणनीतिकार निदेशक निपुन मारया ने एक वक्तव्य में कहा, ''इस लड़ाई में हम सभी साथ है और हमें कोविड-19 को हराने के लिये मिलकर लड़ना होगा। इस कठिन समय में विवो बीमारी से जूझ रहे समुदायों को समर्थन देने के लिये प्रतिबद्ध है।%% वहीं ओप्पो ने रेड क्रास सोसायटी और उत्तर प्रदेश सरकार को 1,000 आक्सीजरेटर्स और 500 सांस लेने वाली मशीनें अनुदान में देने का संकल्प जताया है। इसके साथ ही अग्रिम पंक्ति में रहकर काम करने वालों को 5,000 यूनिट ओप्पो बैंड स्टायल देने की भी बात कही है। कंपनी ने कहा कि ये मशीनें उन अस्पतालों को उपलब्ध कराई जाएंगी जहां इनकी सबसे अधिक जरूरत होगी। कंपनी ने कहा कि वह दिल्ली पुलिस और गेटर नोएडा प्राधिकरण के अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को 1.5 करोड़ रुपए के ओपो बैंड स्टायल के 5,000 यूनिट उपलब्ध कराएगी। इससे वह अपने स्वास्थ्य की निगरानी कर सकेंगे जिससे वह दूसरों की बेहतर सेवा कर सकें।

उपलब्धि: रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली कंपनियों में शामिल

नेशनल डेस्क:

टाइम मैगजीन की दुनिया की 100 सर्वाधिक प्रभावशाली कंपनियों की पहली सूची में दो भारतीय कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. की प्रौद्योगिकी इकाई जियो प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन शिक्षा देने वाली स्टार्टअप बायजू ने जगह बनायी है। टाइम ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि कुछ कंपनियां भविष्य को आकार दे रही हैं और वे पहली बार तैयार 100 सर्वाधिक प्रभावशील कंपनियों की सूची के केंद्र में हैं। इन कंपनियों की सूची तैयार करने के लिए टाइम ने स्वास्थ्य, मनोरंजन, परिवहन, प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों से आवेदन मंगाये। उसके बाद उनकी प्रासंगिकता, प्रभाव, नवप्रवर्तन, लक्ष्य और सफलता समेत महत्वपूर्ण एक-एक कारकों का आकलन किया गया। टाइम मैगजीन के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावकारी कार्य करने वाली कंपनियों की सूची तैयार हुई। इसमें पुनर्चक्रण के लिये प्रौद्योगिकी स्टार्टअप से लेकर भविष्य की मुद्रा को रूप दे रही क्रिप्टोकरेंसी कंपनी से लेकर कल और आज के टीके बना रही दवा कंपनियों को शामिल किया गया है। ये कंपनियां और इनकी अगुवाई कर रहे प्रमुख भविष्य का रास्ता तैयार करने में मदद कर रही हैं। सूची में जियो प्लेटफार्म्स को नवप्रवर्तकों की सूची में रखा गया है। इसी श्रेणी में जूम, एडिडास, टिक टॉक, आइकिया, मोडर्ना और नेटफ्लिक्स जैसी क कंपनियां भी हैं। टाइम के अनुसार, पिछले कुछ साल में मुंबई का औद्योगिक समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत का सबसे बड़ा 4जी नेटवर्क तैयार किया है। कंपनी दुनिया के विभिन्न देशों के मुकाबले डेटा के लिए दर सबसे कम ले रही है (एक जीबी के लिये 5 सेंट्स (लगभग साढे तीन रुपया) से भी कम)। उसने कहा, दुनिया भर के निवेशक रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल कंपनी जियो प्लेफॉर्म्स में निवेश करने के लिए तैयार खड़े हैं। वे रिलायंस जियो के 41 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन निवेशकों में फेसबुक, गूगल जैसी कंपनियां शामिल हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स फेसबुक के साथ मिलकर व्हाट्सएप-आधारित एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है। वहीं किफायती 5जी स्मार्टफोन बनाने के लिए रिलायंस जियो गूगल के साथ काम कर रही है। सूची में ई-शिक्षा स्टार्टअप बायजू को टेसला, हुआवेई आदि जैसी कंपनियों के साथ रखा गया है। टाइम के अनुसार, बायजू के संस्थापक बायजू रवीन्द्रन को पता है कि किसी समय कदम आगे बढ़ाना है। कंपनी के ऐप के उपयोगकर्ताओं की कोविड-19 महामारी के दौरान करीब दोगुनी 8 करोड़ पहुंच गयी। वह फिलहाल क्षेत्र में निवेश कर रहे हैं और इसके लिये उन्हें टेनसेन्ट और ब्लैकरॉक जैसे निवेशकों से वित्त पोषण प्राप्त हुआ है। उसने कहा, शानदार वृद्धि के कारण बायजू भारत का सबसे आकर्षक स्टार्टअप में से एक बन गया है। कंपनी का मूल्य जुलाई 2019 में 5.5 अरब डॉलर था जो अब बढ़कर करीब 15 अरब डॉलर पहुंच गया है।

मार्च के अंत तक सोनी ने पीएस 5 की 78 लाख यूनिट बेची

नई दिल्ली।

मांग में वृद्धि को पूरा करने में असमर्थ, सोनी इस साल 31 मार्च तक 78 लाख प्लेस्टेशन 5 कंसोल बेचने में कामयाब रही। कंपनी ने बुधवार को यह घोषणा की। अपनी नवीनतम कमाई रिपोर्ट में, कंपनी ने खुलासा किया कि प्लेस्टेशन प्लस के वैश्विक स्तर पर 4.77 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं, जिसमें 14.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि दर्ज की गई है। सोनी ने 2020 वित्तीय वर्ष के लिए 3.14 अरब डॉलर परिचालन लाभ हासिल किया है। बाजार अनुसंधान फर्म एनपीडी के अनुसार, प्लेस्टेशन 5 अमेरिकी इतिहास में यूनिट और डॉलर की बिक्री (बाजार में पांच महीने के साथ लाइफ्टाइम बिक्री) दोनों में सबसे तेजी से बिकने वाला कंसोल है। प्लेस्टेशन 5 की कीमत सामान्य एडिशन के लिए 49,990 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि डिजिटल एडिशन की कीमत 39,990 रुपये है। पीएस5 डिजिटल संस्करण प्रभावी रूप से पीएस5 के समान है, जो डिस्क-ड्राइव-लैस संस्करण के समान सभी प्रोसेसिंग पावर से लैस है। कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चिप की कमी के कारण 2021 की दूसरी छमाही तक सोनी प्लेस्टेशन 5 का स्टॉक बहुत सीमित रहेगा। सोनी पीएस5 कंसोल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। नवंबर 2020 के मध्य में पीएस 5 लॉन्च होने के बाद से ही इसकी मांग अधिक बनी हुई है, जबकि चिप की कमी के कारण आपूर्ति उस स्तर पर नहीं हो पा रही है। प्लेस्टेशन बनाने वाली तकनीकी दिग्गज ने लॉन्च के पहले चार हफ्तों के भीतर पीएस5 की रिकॉर्ड 34 लाख यूनिट की शिपमेंट (बिक्री) की थी।

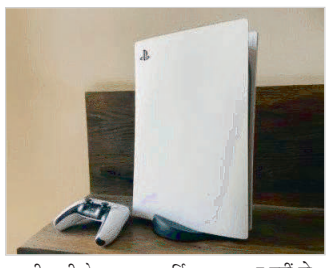

जोमैटो ने 8,250 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए कागज दाखिल किए

नयी दिल्ली,

ऑनलाइन भोजन के ऑर्डर लेने वाली कंपनी जोमैटो ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 8,250 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास कागजात दाखिल किए हैं। जोमैटो द्वारा दाखिल रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के मुताबिक इसमें 7,500 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर की पेशकश की जाएगा, जबकि इंफो एज (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश होगी। कंपनी ने बताया कि ताजा शेयरों की बिक्री से मिली धनराशि का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं के लिए किया जाएगा, जिसमें अधिग्रहण भी शामिल है। वित्त वर्ष 2018-19 की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में कंपनी की आय दोगुनी बढ़कर लगभग 2,960 करोड़ रुपये हो गई थी। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने के खंड में पिछले कुछ सालों से जोमैटो और स्विगी में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। इससे पहले फरवरी में जोमैटो ने टाइगर ग्लोबल, कोरा और अन्य निवेशकों से 25 करोड़ अमरीकी डालर (1,800 करोड़ रुपये से अधिक) जुटाए थे, और इस सौदे में जोमैटो का मूल्यांकन 5.4 अरब अमरीकी डालर किया गया था। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और क्रेडिट सुइस सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ के वैश्विक समन्वयक और बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध किया जाएगा।

खाने की इन तीन चीजों से बनायें अपनी इम्युनिटी!

महामारी के इस दौर में देशभर में लोग न्यूज नॉर्मल के साथ जीना सीख गये हैं और 'इम्यु निटी' सबसे चर्चित शब्द बन गया है। इतना ही नहीं, मानसून में इंफेक्शोन और फ्लू की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में सवाल यहय उठता है कि एक व्यक्ति अपनी इम्युमनिटी को मजबूत बनाने के लिये क्या कर सकता है?

इसका जवाब आसान है। अच्छाय खायें! भरपूर पोषण और एक स्वकस्थय लाइफस्टाइल हमेशा से ही महत्वहपूर्ण रहा है, लेकिन इससे भी ज्या दा अब पोषण से भरपूर भोजन एक मजबूत इम्युान सिस्ट्म में मदद कर सकता है। माधुरी रूइया, न्यूट्रिशन स्पेशलिस्टज एवं पिलेट्स एक्स पर्ट के अनुसार, 3 ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आपको अभी अपने भोजन में शामिल करना चाहिये ताकि आप अपनी इम्युनिटी को मजबूत बना सकें-

पोषण से भरपूर बादाम- बादाम एक अच्छाय खाद्य पदार्थ जिसे आसानी से किसी के भी भोजन में शामिल किया जा सकता है। ये पोषण से भरपूर होते हैं, जिन्हें पेट भरने के गुणों के लिये जाना जाता है। साथ ही ये एक हेल्दी और टेस्टी स्नैतक भी माने जाते हैं। इसके साथ ही इसमें कई प्रकार के पोषक तत्वा होते हैं जोकि इम्युनिटी को मजबूती देने में मदद करते हैं। उदाहरण के तौर पर, बादाम में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है, जोकि एंटीऑक्सीनडेंट की तरह काम करता है और फेफड़े की इम्युबनिटी को बेहतर काम करने में मदद करता है। विटामिन ई को वायरस तथा बैक्टीरिया की वजह से होने वाले इंफेक्शान के खिलाफ लड़ने के लिये जाना जाता है। इसके अलावा, बादाम में काफी मात्रा में कॉपर होता है। कॉपर इम्युइन सिस्टनम की सामान्यल कार्यप्रणाली में योगदान देता है। बादाम जिंक का भी स्रोत माना जाता है। जिंक इम्यु न सिस्टुम में मुख्य भूमिका अदा करता है और साथ ही सेल्स के सामान्यो विकास तथा जन्मजात कार्यप्रणाली के लिये जरूरी न्यूट्रोफिल। बादाम में एक और पोषक तत्व पाया जाता है वह है आयरन। आयरन इम्युजन सेल्सु बढ़ाने और परिपक्वूता में महत्वोपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर लिम्फोहसाइट्स के। यह किसी भी प्रकार के इंफेक्शेन के प्रति एक खास प्रतिक्रिया होती है।

प्रोबायोटिक से भरपूर दही- दही में भरपूर मात्रा में प्रोबायोटिक होता है जोकि सूक्ष्मखजीवी होते हैं। इन्हेंस किसी इंसान के पेट के लिये काफी अच्छाद माना जाता है और यह इम्युकन सिस्ट म को मजबूत बनाता है। हर दिन दही खाने से व्येक्ति के पेट में अच्छे बैक्टीरिरया का स्तिर बढ़ता है और रोगजनकों के खिलाफ पहला सुरक्षा कवच तैयार कर देता है। इसके साथ ही दही में कैल्शियम,मिनरल्सय और आवश्यसक विटामिन होते हैं, जोकि शरीर के लिये आवश्येक होते हैं। साथ ही ये किसी को भी मौसमी फ्लू से बचाता है। तो अपने सभी खाने में अच्छी मात्रा में दही को शामिल करें ताकि आपकी इम्युहनिटी मजबूत हो सके, खासकर इस समय में।

ऊबर भारत में 100,000 ड्राइवर्स को जेंडर सेंसिटाज़ करेगा: गुजरात में ड्राइवर्स के लिए वर्चुअल-सत्र का आयोजन होगा

अहमदाबाद। सुरक्षा की मानकों की बेहतरी के अपने निरंतर प्रयास के तहत, ऊबर गुजरात में ड्राइवर्स के लिए लैंगिक संवेदनशीलता के वर्चुअल सत्रों का आयोजन शुरू करेगा। ऊबर से जुड़े अहमदाबाद, वड़ोदरा और सूरत के ड्राइवर्स यह सीखने के लिए पहले सत्र में शामिल होंगे कि महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने में वो क्या योगदान दे सकते हैं। इस साल कंपनी ने मानसिक स्वास्थ्य, लैंगिक समानता एवं न्याय के क्षेत्र में काम कर रही दिल्ली स्थित एनजीओ, मानस फाउंडेशन के साथ विस्तारित साझेदारी में 100,000 ड्राइवर्स को 2021 के अंत तक जेंडर सेंसिटाइज करने के अपने उद्देश्य की घोषणा की थी।

ऊबर ने मानस फाउंडेशन के साथ पहली साझेदारी 2018 में चुनिंदा ड्राइवर्स को जागरुक करने और यह सुनिश्चित करने के लिए की थी कि वो महिला राइडर्स की जरूरतों के प्रति सावधान एवं विनम्र रहें। महामारी से पहले भारत के 7 शहरों में आयोजित वैयक्तिक रूप से सत्रों द्वारा इस साझेदारी ने 63,000 ड्राइवर्स को सेंसिटाइज़ किया। कोविड-19 के कारण इन सत्रों को थोड़ा विराम देने के बाद ऊबर इंडिया एवं मानस फाउंडेशन अब 34 शहरों में ज़ूम पर ये सत्र वर्चुअली चला रहे हैं। इन शहरों की सूची के लिए, न्यूज़रूम पोस्ट यहां देखें। ये जेंडर सेंसिटाइज़ेशन सत्र ड्राइवर्स को इस बारे में शिक्षित करते हैं कि महिला एवं पुरुष जन परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल कैसे करते हैं, महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर कितने उत्पीड़न का शिकार होती हैं और इस समस्या का समाधान करने में ड्राइवर्स की क्या भूमिका है। वो यह भी सीखते हैं कि अपने व्यवसायिक व्यवहार को किस प्रकार संशोधित करें ताकि महिलाएं और ज़्यादा सुरक्षित महसूस करें और वो समाधान का हिस्सा बनने के लिए संकल्पबद्ध हों।

राज्य में महामारी के पुनरुत्थान को देखते हुए, सत्रों को उन उपायों पर एक अनुभाग शामिल करने के लिए संशोधित किया गया है जो कि प्रत्येक सवारी के सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए ड्राइवर ले सकते हैं। इन सत्रों में ड्राइवरों को भूमिका-नाटकों और इंटरैक्टिव अभ्यासों के माध्यम से उपयुक्त कोविड व्यवहार के बारे में शिक्षित किया जाता है। इसमें ड्राइवरों को स्वयं मास्क पहनना और सवारियों को हर समय चेहरे पर मास्क लगाना, वाहन को नियमित रूप से सेनेटाइज करना और वाहन के भीतर सामाजिक दूरी को बनाए रखना शामिल है।

लगता नहीं, डीविलियर्स रिटायर हुए हैं : कोहली

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान विराट कोहली ने मंगलवार को एबी डिविलियर्स की क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी की पारी को देखकर लगता नहीं है कि वे इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। डीविलियर्स ने मंगलवार रात यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 22वें मुकाबले में 42 गेंदों पर तीन चौक और पांच छक्कों की मदद से 75 रनों की नाबाद पारी खेली, जिससे बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हरा दिया। कोहली ने मैच के बाद कहा, एबी मुझे यह कहते हुए पसंद नहीं करते हैं, लेकिन उन्होंने पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। लेकिन अगर आप उसे बल्लेबाजी करते हुए देखते हैं तो ऐसा महसूस नहीं होता है कि वह अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलते हैं। उन्होंने कहा, वह हमारे लिए एक संपत्ति की तरह हैं। मैं फिर से यही कहूंगा (मुस्कुराता हूँ)। उन्होंने पांच महीने तक नहीं खेला है, लेकि आप उनकी इस पारी को देखें। डीविलियर्स को उनकी शानदार पारी के लिए मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। डीविलियर्स ने कहा, मैं हाल-फिलहाल में भले ही मैच नहीं खेला हूं, लेकिन मैंने अपने फिटनेस को बरकरार रखा है। इसके लिए मैंने लगातार मेहनत की है। मेरे कमरे में भी ट्रेडमिल है। यही कारण है कि मैं अच्छा कर पा रहा हूं।

दिल्ली की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा केकेआर के बल्लेबाजों को

अहमदाबाद ।

विजयी लय बरकरार रखने के लिये बेताब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाजों की गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में दिल्ली कैपिटल्स की दमदार गेंदबाजी के सामने कड़ी परीक्षा होगी। केकेआर शुरू से बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से परेशान है। उसके प्रतिभाशाली सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल रन बनाने के लिये जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक छह मैचों में केवल 89 रन बनाए हैं। केकेआर का गेंदबाजी विभाग विशेषकर स्पिनर सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती विपक्षी टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल रहे हैं लेकिन शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी उसे काफी नुकसान पहुंचा रही है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 124 रन के आसान लक्ष्य के सामने केकेआर का शीर्ष क्रम बिखर गया और उसका स्कोर तीन विकेट पर 17 रन हो गया। इसके बाद कप्तान इयोन मोर्गन ने जिम्मेदारी संभाली और टीम का चार मैच से चला आ रहा हार का क्रम तोड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के पास शिखर धवन (265 रन), पृथ्वी सॉव, स्टीव स्मिथ और कप्तान ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज हैं और इनकी बराबरी करने लिये के के आर के बल्लेबाजों को अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। मोर्गन को इसके लिये सबसे पहले गिल की फार्म के बारे में सोचना होगा जिन्होंने अब तक 15, 33, 21, 0, 11 और नौ रन बनाये है। ऐसे में गिल को मध्यक्रम में भेजकर राहुल त्रिपाठी के साथ सुनील नारायण को पारी का आगाज करने के लिये भेजना गलत फैसला नहीं होगा। दिग्गज सुनील गावस्कर भी ऐसा सुझाव दे चुके हैं। दिल्ली को पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। दिल्ली की टीम 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 92 रन के स्कोर पर संघर्ष कर रही थी। शिमरोन हेटमायर और पंत ने अर्धशतक जमाकर स्थिति संभाली लेकिन आखिरी गेंद तक चले रोमांच में दिल्ली को हार झेलनी पड़ी। इस मैच में हेटमायर और आंद्रे रसेल के बीच भी मुकाबला देखने को मिल सकता है। रसेल ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 22 गेंदों पर 54 रन बनाये थे लेकिन इसके अलावा वह अपना जलवा दिखाने में असफल रहे हैं। रविचंद्रन अश्विन के हट जाने के बावजूद दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत है तथा इशांत शर्मा, कैगिसो रबाडा, अवेश खान, अनुभवी अमित मिश्रा और अक्षर पटेल के सामने केकेआर के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होगी।

भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही इंग्लैंड में टेस्ट चैंपियनशिप खेलने जाएगी न्यूजीलैंड की टीम

आकलैंड ।

आईपीएल में खेल रहे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिये भारतीय क्रिकेटरों के साथ इंग्लैंड जा सकते हैं क्योंकि कड़े पृथकवास नियमों के कारण उनका स्वदेश लौटकर जाना संभव नहीं है। केन विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट, काइल जैमीसन और मिशेल सेंटनेर न्यूजीलैंड के उन दस खिलाड़ियों में से हैं जो आईपीएल खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड ने दो जून से इंग्लैंड में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का ऐलान किया। भारत के खिलाफ 18 जून को साउथम्पटन में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनी जाएगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ियों के संघ के मुख्य कार्यकारी हीथ मिल्स ने कहा कि वे घर नहीं लौट सकते क्योंकि दो सप्ताह के पृथकवास में रहना होगा। वे राउंड राबिन दौर तक भारत में ही हैं। उसके बाद अंतिम दौर तक भी रह सकते हैं। बहुत उड़ानें भी नहीं हैं तो वापिस लौटना संभव नहीं होगा। हम न्यूजीलैंड क्रिकेट से बात कर रहे हैं जो बीसीसीआई और आईसीसी के संपर्क में हैं। आईपीएल खेल रहे न्यूजीलैंड के क्रिकेटर भारत से उड़ानें रद्द होने के कारण चिंतित हैं लेकिन किसी ने घर लौटने का संकेत नहीं दिया है। उड़ानें 11 अप्रैल को रद्द की गई जो बुधवार की रात से फिर शुरू हो जाएंगी। मिल्स ने कहा कि खिलाड़ी आईपीएल बायो बबल में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक होटल में चार टीमें हैं और होटल लॉकडाउन है। एक शहर से दूसरे शहर में जाते समय वे जोखिम में हैं लेकिन सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरा पालन हो रहा है। वे पूरी तरह सुरक्षित बबल में हैं।

चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल : रीयाल मैड्रिड और चेल्सी का मैच 1-1 से ड्रा

मैड्रिड : चेल्सी ने दबदबे वाली शुरुआत और क्रिस्टियन पुलिसिच के रिकार्ड गोल की मदद से चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में रीयाल मैड्रिड के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला। चेल्सी ने मंगलवार को पहले चरण के सेमीफाइनल में शुरू में दबदबा बनाया। पुलिसिच इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। उन्होंने चैंपियन्स लीग में अपने गोल की संख्या पांच पर पहुंचा दी है और इस तरह से इस टूर्नामेंट में सवार्धिक गोल करने वाले अमेरिकी बन गए हैं। उन्होंने डामार्कस बीस्ले का रिकार्ड तोड़ा। रीयाल की तरफ से करीम बेंजेमा ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त हासिल करने के लिए प्रयास किए लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अब 5 मई को लंदन में होने वाला दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया है। उसमें जीत दर्ज करने वाली टीम फाइनल में जगह बनाएगी। दूसरा सेमीफाइनल मैनेचस्टर सिटी और पेरिस सेंट जर्मेन के बीच खेला जाएगा।

कोविड प्रभाव : दिल्ली में नहीं इस जगह होगी एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

नई दिल्ली।

भारत में कोविड-19 संकट को देखते हुए एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप अगले महीने दिल्ली के बजाय दुबई में आयोजित की जाएगी लेकिन राष्ट्रीय महासंघ अब भी यूएई के साथ इसका संयुक्त मेजबान होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 21 से 31 मई के बीच राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया जाना था लेकिन दिल्ली में अभी कोविड-19 के प्रतिदिन 20,000 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने बयान में कहा कि भारत में अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों के कारण भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) के साथ सलाह मशविरा करके एएसबीसी एशियाई एलीट पुरुष एवं महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन दुबई में कराने का फैसला किया। इसमें कहा गया है कि इस प्रतियोगिता का आयोजन अब बीएफआई यूएई मुक्केबाजी महासंघ के साथ मिलकर करेगा। भारत में कोविड-19 के प्रतिदिन तीन लाख से अधिक मामले आ रहे हैं जिसके बाद कई देशों ने भारत में उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बीएफआई ने कहा कि महामारी के कारण कई देशों ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं जिसे देखते हुए बीएफआई और एएसबीसी ने टूर्नामेंट का आयोजन दूसरे स्थान पर करने का संयुक्त फैसला किया। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि यह फैसला करना काफी मुश्किल था। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें देश से बाहर इसका आयोजन करना पड़ रहा है। हम चैंपियनशिप का आयोजन दिल्ली में करने के इच्छुक थे लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा था। मुक्केबाजों की सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है और इसलिए हमने यह फैसला किया। हम स्थिति पर करीबी निगरानी रखे हुए थे तथा एएसबीसी और भारत सरकार के साथ विचार विमर्श करने के बाद हमे टूर्नामेंट का आयोजन दुबई में करने का निर्णय किया।

संक्षिप्त समाचार

फर्राटा धावक ब्लैक की भारतीयों से अपील, सुरक्षित रहने के लिए जो संभव हो वह करें

किंगस्टन : जमैका के फर्राटा धावक योहान ब्लैक ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत के प्रति अपना अनुराग दिखाते हुए देश के लोगों से अपील की कि वे सुरक्षित रहने के लिये जो कुछ भी संभव हो वह करें। ब्लैक 2011 के 100 मीटर के विश्व चैंपियन हैं और क्रिकेट प्रशंसक हैं। वह रोड सेफ्टी विश्व सीरीज टी20 प्रतियोगिता के दूत हैं। ब्लैक पिछले साल भारत आए थे। ब्लैक ने ट्वीट किया कि मैं इस समय भारत के प्रति अपना प्यार दिखाना चाहता हूं। मैं प्रत्येक से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि कृपया सुरक्षित रहने के लिये वह सब करें जो आप कर सकते हैं। मुझे पता है कि यह मुश्किल हो सकता है लेकिन कल्पना कीजिए यदि हम मिलकर ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कई वर्षों से क्रिकेट देख रहा हूं। मैं इस देश के प्रति स्नेह रखते हुए बड़ा हुआ है। वहां के लोग बहुत अच्छे हैं। ब्लैक ने लंदन ओलंपिक 2012 में 100 मीटर और 200 मीटर के व्यक्तिगत वर्ग में रजत पदक जीते थे। भारत अभी कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। प्रत्येक दिन तीन लाख से अधिक पॉजीटिव मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को मृतकों की संख्या प्रतिदिन 3000 से अधिक पहुंच गई।

आईपीएल के बाद आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को ले जाने के लिए विशेष विमान पर विचार विमर्श जारी

मेलबर्न । आस्ट्रेलिया के क्रिकेटरों के संघ ने बुधवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की स्वदेश वापसी के लिए विशेष विमान की व्यवस्था करने पर विचार किया जा रहा है लेकिन खेल मंत्री रिचर्ड कॉलबेक ने स्पष्ट किया कि सरकार ने अभी तक इस तरह के किसी फैसले को मंजूरी नहीं दी है। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ (एसीए) के प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया इस व्यवस्था के लिये फ्रेंचाइजी के मालिकों के साथ बात करेगा लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह आसान काम नहीं होगा। एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार के अनुसार ग्रीनबर्ग ने कहा कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ अभी जिन मसलों पर हमारी बातचीत चल रही है उनमें यह भी शामिल है कि विशेष विमान की व्यवस्था संभव है या नहीं।यह काम आसान नहीं है। यदि हम उन्हें बिना किसी रुकावट के सुरक्षित स्वदेश वापस लाने का तरीका ढूंढ सकते हैं तो इस पर हमें, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और हमारे खिलाड़ियों को काम करना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही आश्वासन दे चुका है कि 30 मई को आईपीएल समाप्त होने के बाद इसमें खेल रहे विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित घर वापसी उसकी जिम्मेदारी है। भारत से विशेष विमान ले जाने के लिये आस्ट्रेलियाई सरकार की अनुमति की जरूरत पड़ेगी और कोलबेक ने कहा कि इस मामले में अभी कोई निर्णय नहीं किया गया है।

आईपीएल के लिए बनाया गया बायो बबल सबसे असुरक्षित : जम्पा

सिडनी।

आस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के लिए बनाया गया बायो-बबल सबसे असुरक्षित है, जोकि उन्होंने भारत में भारत में कोविड-19 के दौरान देखा है। जम्पा और केन रिचर्डसन आईपीएल के 14वें सीजन को बीच में ही छोड़कर व्यक्तिगत कारणों से घर लौट गए हैं। दोनों खिलाड़ी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) टीम का हिस्सा थे। जम्पा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, हम कुछ (बुलबुले) में रहे हैं और मुझे लगता है कि यह शायद सबसे असुरक्षित है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाना चाहिए था, जैसा कि पिछली बार हुआ था। जम्पा ने कहा, टूर्नामेंट भारत में खेला जा रहा है, इस वजह से ज्यादा डर लग रहा है। हमें यहां हमेशा हाइजीन और अधिक सुरक्षा बरतने को कहा जाता है। मुझे यही सबसे अजीब लगता है। मुझे लगता है कि भारत का बायो बबल सबसे असुरक्षित है। उन्होंने आगे कहा, छह महीने पहले दुबई में जो आईपीएल हुआ था, उसमें ऐसा नहीं था। मुझे लगता है कि वह काफी अधिक सुरक्षित था। निजी तौर पर मेरी राय है कि इस बार भी आईपीएल को वहीं करवाया जाना चाहिए था, लेकिन इसमें कई बार राजनीति वगैरह शामिल होती है। तेज गेंदबाज रिचर्डसन ने इस सीजन में एक मैच खेला था जिसमें उन्होंने एक विकेट लिया था जबकि जम्पा बिना खेले ही चले गए। जाम्पा और रिचर्डसन के अलावा कई अन्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डर के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) छोड़ना चाह रहे हैं। इन्हें डर है कि भारत में बढ़ते कोविड-19 मामलों के बाद वे अपने देश में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। जम्पा ने आगे कहा कि अगली चर्चा इस बात को लेकर होगी क्या भारत में अक्टूबर नवंबर में टी20 विश्व कप होना चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, बेशक इसी साल भारत में टी-20 विश्व कप भी होना है। संभवतः क्रिकेट जगत में अब अगली चर्चा इसी पर होगी, लेकिन छह माह एक लंबा समय है और तब शायद भारत में स्थिति बेहतर हो।

इस श्रीलंकाई गेंदबाज ने की मैच फिक्सिंग की कोशिश, ICC ने लगाया छह साल का बैन

दुबई । श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच नुवान जोएसा को मैचों को फिक्स करने की कोशिश तथा संदिग्ध भारतीय सट्टेबाजों की भ्रष्ट पेशकश का खुलासा नहीं करने का दोषी पाया गया है जिसके लिये उन्हें सभी तरह की क्रिकेट से छह वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार बायें हाथ के तेज गेंदबाज जोएसा पर यह प्रतिबंध पूर्व की तिथि 31 अक्टूबर 2018 से लागू होगा जब उन्हें अस्थायी तौर पर निलंबित किया गया था। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के महाप्रबंधक अलेक्स मार्शल ने विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में उन्हें आदर्श स्थापित करना चाहिए था। इसके बजाय वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होकर भ्रष्ट बन गये और अन्य को भी इसमें संलिप्त करने का प्रयास करने लगे। उन्होंने कहा कि मैचों को फिक्स करना खेल सिद्धांतों के साथ धोखा है। हमारे खेल में इसे सहन नहीं किया जाएगा।'' श्रीलंका की तरफ से 30 टेस्ट और 95 वनडे खेलने वाले 42 वर्षीय जोएसा पर 2017 में यूएई में आयोजित टी10 टूर्नामेंट के दौरान श्रीलंकाई टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिये 2018 में आरोप लगाये गये थे। जोएसा इससे पहले श्रीलंका ए टीम के गेंदबाजी कोच भी रह चुके हैं।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई न कर सकी भारतीय तलवारबाजी टीम

नई दिल्ली। भारतीय तलवारबाजी टीम ताशकंद में आयोजित एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। राष्ट्रीय स्तर के एक कोच ने आईएएनएस से कहा, चूंकि यह ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने का आखिरी मौका था, इसलिए खिलाड़ी दबाव में आ गए। शांत रहने और अपने स्वभाविक खेल खेलने के बजाय उन्होंने कुछ गलतियां की, जिससे ओलंपिक कोटा पाने का मौका उन्होंने गंवा दिया। दो दिवसीय टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक के लिए कुल छह कोटे थे, जिसमें तीन स्थान महिलाओं के लिए थे। सुनील कुमार राधिया अवती ने अपने अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि बाकी अन्य पहले राउंड में ही बाहर हो गए। भवानी देवी अब तक एकमात्र भारतीय हैं, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। भवानी ने साब्रे इवेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

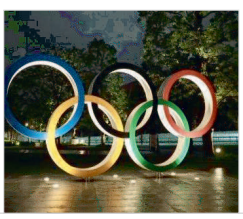

रिकी पोंटिंग का बड़ा बयान, भारत की हालत के सामने हमारा स्वदेश लौटना छोटा मसला

अहमदाबाद ।

भारत से उड़ानें रद्द होने के कारण आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटने को लेकर भले ही थोड़ा आशंकित हों लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण के बाहर जो स्थिति बनी हुई है उसके सामने यह छोटा मसला है। आस्ट्रेलिया ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए मंगलवार को भारत से 15 मई तक सभी सीधी यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया। आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन ने स्पष्ट किया कि आईपीएल में भाग ले रहे खिलाड़ियों को स्वदेश वापसी के लिए स्वयं ही कोई व्यवस्था करनी होगी। पोंटिंग ने कहा कि जहां तक आस्ट्रेलियाई लोगों का भारत से वापस स्वदेश लौटने की बात है तो हमारी सरकार ने कुछ निर्णय किए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इसकी राह में कुछ रुकावटें हैं लेकिन हमारी और अन्य आस्ट्रेलियाई नागरिकों की यात्रा छोटा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि हम हर दिन बाहर की स्थिति के बारे में सोच रहे हैं और हम जानते हैं कि हम कितने भाग्यशाली है जो हम खेल पा रहे हैं। उम्मीद है कि भारत में लोग आईपीएल क्रिकेट को देखकर मनोरंजन कर रहे होंगे। भारत में स्वास्थ्य संकट के कारण आस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट गए हैं जबकि मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाज क्रिस लिन ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया से टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी के लिए विशेष विमान की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने हालांकि आश्वासन दिया है कि वह टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद विदेशी खिलाड़ियों को घर पहुंचाने की व्यवस्था करेगा। अप्रत्याशित स्वास्थ्य संकट को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिये टूर्नामेंट से कुछ समय के लिए बाहर रहने का निर्णय किया। पोंटिंग ने कहा कि हमारी टीम में अभी अजीब अहसास बना हुआ है। बाहर और भारत में क्या हो रहा है हम उससे अच्छी तरह वाकिफ हैं। निश्चित तौर पर हमारी संवेदना हर उस व्यक्ति के प्रति है जो अभी भारत में कोविड-19 से जूझ रहा है। पोंटिंग ने कहा कि हमारा इससे पिछला मैच सुपर ओवर तक गया और आरसीबी से हम एक रन से हार गए। इससे आप टूर्नामेंट के अंतिम चरण के लिए अच्छी तरह से तैयार रहते हैं। हमें इससे सीख लेनी होगी।

बतौर कप्तान रोज सीख रहे हैं पंत : पोंटिंग

अहमदाबाद। ऋषभ पंत एक कप्तान और व्यक्ति के रूप में हर रोज आगे बढ़ रहे हैं और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मिली एक रन की करीबी हार के बाद उन्होंने इससे काफी कुछ सीखा होगा। यह बात दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कही है। दिल्ली कैपिटल्स को कप्तान ऋषभ पंत (नाबाद 58) और शिमरन हेटमायर (नाबाद 53) की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों के बावजूद मंगलवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 22वें और रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि ऋषभ पंत खुद के बारे में काफी कुछ सीखेंगे और सभी खिलाड़ियों को इससे सीखना होगा। उन्होंने कहा, ऋषभ बेहद शानदार खेले, लेकिन वह इस हार से निराश होंगे। ऐसी स्थिति में वह मैच जीतना चाहते थे। बतौर कप्तान वह प्रतिदिन अपना विकास कर रहे हैं। यही वह चीज है, जिससे मैं पिछले छह आठ महीने में मैं उनसे प्रभावित हुआ हूं। कोच ने कहा, मेरा काम उनके साथ काम करना जारी रखना है। उन्हें आगे बढ़ने में उनकी मदद करना है। हम रातोंरात उन्हें जज नहीं कर सकते। यह एक शानदार मैच था। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले मैच में भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सुपर ओवर में जीत दर्ज की थी। पोंटिंग ने कहा, हमारा पिछला मुकाबला भी सुपर ओवर तक गया था। आज हमें एक रन से हार का सामना करना पड़ा। आगे चलकर उन्हें बड़े मैचों में इसका फायदा मिलेगा। निश्चित तौर पर अभी हम टूर्नामेंट में ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

गहने चुराने के बाद महिला सफाई कर्मचारी की गिरफ्तारी

महिला को सिक्युरिटी स्टाफ ने पूछा तो, उसने मना कर दिया था बाद में फूटेज सामने आने पर इसका पर्दाफाश हो गया

सूरत।

न्यू सिविल में कोरोना के मरीज की गहने चुराने के मामले में पुलिस ने कोविड-१९ अस्पताल में कॉन्ट्रैक्ट के तहत काम करती सफाई-कर्मचारी की गिरफ्तारी की है। वराछा में रहते युवक की मां का कोरोना से मौत होने के बाद शव लेते समय गहना गायब होने का मालूम होने पर उन्होंने पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी। जिसकी वजह से पुलिस ने पूरे मामले में सीसीटीवी फूटेज जांच करने पर इसने चोरी किए जाने का सामने आने पर महिला के खिलाफ अपराध दर्ज करके इसकी गिरफ्तारी की गई थी। सूरत में कोरोना ग्रस्त मरीज की मौत के बाद गहना चुराने की कई घटना सामने आई है। हालांकि ऐसी एक घटना में वराछा के एक अकाउंटेंट ने शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने न्यू सिविल कैंपस में कोविड-१९ अस्पताल में कॉन्ट्रैक्ट के तहत काम करती महिला सफाई कर्मचारी की गिरफ्तारी की। वराछा आशापुरी सोसाइटी में रहते खुशालभाई वाघाणी खुद अकाउंटेंट के तहत ड्यूटी करते है। उनकी ५३ वर्षीय मां ६ अप्रैल को न्यू सिविल कोविड-१९ अस्पताल में एडमिट थी। इस समय में खुशालभाई खुद भी निजी अस्पताल में भर्ती थे। इस दौरान ६ तारीख को शाम को मां की मौत हुई थी। इसकी डेडबॉडी लेने के लिए इनके बहनोई और भाई आये थे। इस समय मां के कान और नाक पर से गहना गायब था। यह गहने की कीमत ३० हजार है। यह मामले में स्टाफ को भी जानकारी दी गई थी। हालांकि गहना नहीं मिला। बाद में खुशालभाई ने खटोदरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज की जांच की थी। जिसमें जानकारी मिली कि, ६ तारीख को दोपहर में मां बेहोश थी उस समय महिला ने गहना चोरी कर लिया। इस महिला को सिक्युरिटी स्टाफ ने पूछा तो, उसने मना कर दिया था बाद में फूटेज सामने आने पर इसका पर्दाफाश हो गया अब पुलिस ने न्यू सिविल कोविड-१९ अस्पताल में कॉन्ट्रैक्ट के तहत काम करती महिला सफाई कर्मचारी यास्मीन लतीफ खान के विरूद्ध अपराध दर्ज करके इसकी गिरफ्तारी करके कानूनी कार्रवाई की गई है।

अहमदाबाद में तापमान ४३ डिग्री रहने का पूर्वानुमान

अहमदाबाद।

गुजरात में कोरोना के आतंक के बीच मौसम का भी आतंक महसूस हो रहा है। मंगलवार की रात को अचानक गुजरात का मौसम बदल गया। जिसमें सौराष्ट्रभर में बिजली के साथ और तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। इसके साथ ही अहमदाबाद में भी देर रात को तूफान का असर दिखाई दिया। गुजरात में गर्मी और बढ़ने की मौसम विभाग द्वारा पूर्वानुमान लगाया गया है। जिसके अनुसार, न्यूनतम तापमान में २ से ३ डिग्री और बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है। जिसके अनुसार, कच्छ और पोरबंदर में हीटवेव का पूर्वानुमान लगाया गया है। अहमदाबाद में भी तापमान ४३ डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया गया है। जिसके अनुसार, अहमदाबाद में मंगलवार की रात को तूफान का अनुभव किया गया। चारों तरफ धूल मिट्टी उड़ रही थी। अहमदाबाद के पश्चिम क्षेत्र में इसका बड़ा असर दिखाई दिया। दक्षिण और पूर्व क्षेत्र में भी तूफान का अनुभव किया गया। धूल मिट्टी उड़ने से गत रात को अहमदाबाद में तूफान का असर महसूस किया गया। तेज हवा बहने से कई ठिकानों पर नुकसान होने का देखने को मिला। कोरोना टेस्ट के लिए बनाया गया डोम भी गिर गया था। हेबतपुर चार रास्ता पर डोम पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। उल्लेखनीय है कि, राज्य के कई क्षेत्रों में थंडरस्टोर्म और हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। अहमदाबाद के मौसम विभाग के डायरेक्टर मनोरमा मोहंती ने बताया कि, उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ और मध्य गुजरात में इसका असर हो सकता है। अरब सागर में नमी का प्रमाण बढ़ने से यह असर हो रहा है। गत रात को राजकोट, अमरेली, भावनगर, साबरकांठा जिले में हवा के साथ बारिश हुई है। साबरकांठा जिले में मौसम बदल गया। दिनभर गर्मी के बाद रात को तेज हवा बहने लगी।

शहर में कोरोना के एक्टिव केस के सामने १५२ बेड खाली

अहमदाबाद।

कोरोना की वजह से ऑक्सीजन कुछ मिनटों में भर रही है, ऐसे में अहमदाबाद में स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ १५२ बेड ही उपलब्ध है जहां ऑक्सीजन की सुविधा मिल रही है। शहर की अधिकतर हाउसफुल हो गई है। कॉर्पोरेशन द्वारा चलते ३७ बेड, निजी अस्पताल के २८ बेड, सोला और असारवा सिविल के ३६ बेड और नर्सिंग होम में ५१ बेड खाली होने का बताया जा रहा है। एक तरफ कोरोना के नये केस में लगातार वृद्धि हो रही है तब दूसरी तरफ शहर में स्थित १५,००० बेड में से अधिकतर फुल हो गये है। राज्य सरकार के आंकड़े अनुसार अहमदाबाद में कुल ५६,०७६ एक्टिव केस है, जिसमें से ४९,५२१ मरीज क्वारंटाइन है। मंगलवार को कोरोना की वजह से और २६ मरीजों ने जान गंवाई है। २४ घंटे में अहमदाबाद में २,००३ मरीज ठीक होने पर कुल ठीक हुए मरीजों का आंकड़ा ९०,७८९ पर पहुंचा है। राज्य के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी डॉ. राजीव कुमार गुप्ता बताते है कि कॉर्पोरेशन के पास १६८ डेजिग्नेटेड अस्पताल, १८० नर्सिंग होम और अस्पताल कोविड मरीजों के उपचार के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा कोरोना के मरीजों का उपचार के लिए होस्टल, होटल और सामाजिक खेत भी उपयोग किया गया है। इसके पहले मार्च में सिर्फ ७५०० बेड उपलब्ध थे। तेजी से डेढ़ महीने के अंदर नई सुविधा खड़ी किए जाने का बताया जा रहा है। फिर भी कोरोना के लगातार केस बढ़ने की वजह से मरीज चक्कर लगा रहे है। यह भी कहा जाता है कि, सिर्फ अहमदाबाद के नहीं अहमदाबाद बाहर से भी मरीज अहमदाबाद में उपचार लेने के लिए आ रहे होने की वजह से अधिकतर अस्पताल फुल हो गई है। शहर में सिर्फ सरकारी नहीं लेकिन निजी अस्पताल भी मरीज से भर रहे है। दूसरी तरफ कोरोना की महामारी को देखते हुए ऑक्सीजन की कमी भी बड़ी समस्या बन रही है।

अस्पताल में भर्ती होने के लिए १०८ की जरूरत नहीं

अहमदाबाद।

शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी है। दैनिक मामलों पर काबू पाने के लिए जिला प्रशासन सख्त कदम उठा रही है। लेकिन अहमदाबाद में बीते कुछ दिनों से ५ हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज हो रहे हैं। इस बीच आज राज्य के मुख्य सचिव डॉ। राजेंद्र कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक साबरमती रिवरफ्रंट हाउस में आयोजित की गई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। अभी कुछ दिन पहले नगर निगम ने तुगलकी फरमान जारी किया था जिसके तहत सिर्फ १०८ एंबुलेंस से जाने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जा रहा था। लेकिन जब भी कोई मरीजो एंबुलेंस के लिए फोन करता था तब उसे टोकन दिया जाता था कि आपका नंबर दो दिन बाद आएगा। इतने दिन इंतजार करने पर मरीज की मौत हो जाती थी। ऐसे में कुछ कोरोना संक्रमित मरीज के रिश्तेदार अपने प्राइवेट वाहन से अस्पताल ले जाते थे। लेकिन ऐसे लोगों को इलाज के लिए भर्ती नहीं किया जा रहा था। इसके अलावा अहमदाबाद नगर निगम ने एक और अजीब फैसला लिया था।

इस फैसले की वजह से गुज रात सरकार को काफी आलोचना भी झेलना पड़ा था। नगर निगम के फैसले के तहत सरकारी अस्पतालों में सिर्फ उन्ही लोगों का इलाज होगा जिनके पास अहमदाबाद का आधार कार्ड होगा। यानी उस आधार कार्ड में मरीज का एड्रेस अहमदाबाद का होगा तभी उसका इलाज किया जाएगा।

हालाँकि अब इस अड़यिल नियम को भी कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद रूष्ट ने हटा लिया है। कोरोना के दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली वृद्धि की वजह से गुजरात की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। राज्य में हो रही मौतों ने गुजरात मॉडल की हवा निकाल दी है। गुज रात असहाय, अनाथ और बेसहारा हो गया है जिसकी वजह से कोरोना संक्रमित भगवान के भरोसा पर जी रहे हैं। इस बीच सरकार के नए नियमों से लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। इस मामले को लेकर कांग्रेस विधायक ग्यासुद्दीन शेख ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर ऐसा अजीब निर्णय लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की थी।

सूरत भूमि, सूरत। युगप्रधान आचार्यश्रम श्री चंद्रशेखर विजयजी महाराज साहेब ने सहस्त्रफण को प्रेरित किया। पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने तीर्थंकर प्रभु महावीर स्वामी के जन्म और चैत्र पूनम के पवित्र दिन पर 400 से अधिक जरूरतमंद परिवारों को भोजन किट वितरित किए। किट में गेहूं, चावल, बाजरा, तेल, गुड़, चीनी, नमक शामिल हैं। धुमधाम के साथ यह त्योहार मनाया गया है।

विदेशी विद्यार्थी की कोरोना वायरस से मौत हो गई

वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे

तंजानिया की निगोवी एम्युनल हेरिसन नाम के विद्यार्थी का गोत्री अस्पताल में कोरोना के उपचार के दौरान मौत हुई है

वडोदरा।

पूरे गुजरात को कोरोना ने शिकार बनाया है। ऐसे में चार महानगरों में कोरोना ने आतंक मचाया है। वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे तंजानिया की निगोवी एम्युनल हेरिसन नाम के विद्यार्थी का गोत्री अस्पताल में कोरोना के उपचार के दौरान मौत हुई है। इसके शव को तंजानिया भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। स्थानीय पुलिस ने शव को अंतिम क्रिया के लिए विदेश ले जाने के लिए मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार ने २८ अप्रैल से ५ मई तक जरूरी वस्तु के अलावा दुकानें, मॉल थियेटर और जिम सहित की सेवा बंद रखने के लिए अध्यादेश जारी किया गया है।

अब वडोदरा शहर के सुसेन चार रास्ते के निकट स्थित असोर्ट हब नाम की एक संस्था में करीब ५० विद्यार्थियों को बुलाया गया। जिसकी जानकारी कॉर्पोरेशन की टीम को मिलने पर वार्ड ४ और १२ की संयुक्त प्रवर्तन दल और पुलिस स्टाफ द्वारा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर सभी विद्यार्थियों को वहां से घर भेज दिया। संचालकों से १० हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

। यहां उल्लेखनीय है कि, महानगरपालिका ने जारी किए आंकड़े के अनुसार वडोदरा शहर जिले में पॉजिटिव केस का कुल आंकड़ा ४१ हजार को पार कर चुका है।

वडोदरा शहर और जि ले में आधिकारिक आंकड़ा ३५० को पार कर चुका है। अभी तक में कुल ३४२८२ लोग कोरोना को मात दे चुके है। वडोदरा हाल ६९६१ एक्टिव केस में से ४७४ मरीज ऑक्सीजन पर और ३१३ मरीज वेंटिलेटर पर है। ६१७४ मरीजों की स्थिति स्थिर है।

यशो इंडस्ट्रीज ने वापी जिले में स्कुल निर्माण के लिए 1.20 करोड़ का खर्च किया

वापी।

विशेष रसायन खंड के प्रमुख नेताओं में से एक, यशो इंडस्ट्रीज ने गुजरात के वापी जिले में कोचरवा पटेल फलिया स्कूल के पुनर्निर्माण के लिए अपने वित्तीय योगदान और निरीक्षण की घोषणा की है। यह शुभ समारोह 22 अप्रैल, 2021 को पुनर्निर्माण की शुरुआत के साथ शुरू हुआ। संस्थान में मानक एक से दस तक 120 छात्र हैं और पहली मंजिल और एक बेजमेंट है।

यशो इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और एमडी, श्री पराग ज़वेरी ने कहा, च्यशो इंडस्ट्रीज में हमारे मजबूत मूल मूल्यों में से एक हमारा मूल उद्देश्य है। हमने हमेशा समुदायों को उदारता का विस्तार करने और इस दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए एक साथ लाने में विश्वास किया है। हम इस धर्मार्थ कारण के लिए हार्दिक सहायता का एक ही दर्शन प्रदर्शित करते हैं। इन बच्चों की शिक्षा में योगदान देने और उनके भविष्य और सपनों को पंख देने में मदद करने के लिए हम वास्तव में खुश हैं।

वापी में एक विश्वस्तरीय फैक्ट्री है, जो यशो इंडस्ट्रीज, उस समुदाय के लिए सक्रिय रूप से योगदान करने में गर्व महसूस करती है, जहाँ यह संचालित होता है।उन्होंने हमेशा जिले के नागरिकों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है और देश में विभिन्न मानवीय संकटों के दौरान आगे आए हैं। पिछले साल उन्होंने कोविद -19 से लड़ने के लिए पीएम केयर फंड में सक्रिय योगदान दिया। कुछ मौजूदा पहलों में वापी में एक विशाल कब्रिस्तान

के लिए धन और क्षेत्र में स्कूल के बुनियादी ढांचे (मुख्य रूप से बेंच) के लिए दान शामिल हैं।

कोचरवा पटेल फलिया स्कूल के प्रिंसिपल कलपनाबेन छोटुभाई पटेल ने कहा " शिक्षा सबसे अच्छे उपहारों में से एक है जो युवाओं को दिया जा सकता है और स्कूल के पुनर्निर्माण के लिए यशो इंडस्ट्रीज द्वारा दी गई अनुकरणीय मदद के लिए हम उनके आभारी हैं। स्कूल ऐसी संस्थाएं हैं जो छात्रों को ज्ञान का खजाना देने के साथ-साथ उन्हें सशक्त बनाती हैं और उनका जीवन बदल देती हैं। हमें विश्वास है कि हमारे जिले के छात्रों के पास वे संसाधन होंगे जिनकी उन्हें यशो इंडस्ट्रीज के प्रबंधन की मदद से अपना भविष्य बनाने की आवश्यकता है।

कांग्रेसी विधायक उपवास पर बैठने से पहले हिरासत में लिया गया

धोराजी से कांग्रेसी विधायक ललित वसोया ने डिप्टी कलेक्टर कार्यालय के सामने आमरण अनशन करने की घोषणा की थी

राजकोट।

गुजरात में कोरोना वायरस की दूसरी लहर हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही है। सरकारी अस्पतालों में कोरोना रोगियों की भरमार नजर आ रही है। कोरोना संक्रमित मरीजों को अस्पताल में बेड, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कोरोना के मरीज अपनी जान गंवा रहे हैं। धोराजी से कांग्रेसी विधायक ललित वसोया ने डिप्टी कलेक्टर कार्यालय के सामने आमरण अनशन करने की घोषणा की थी। लेकिन वह आज अनशन पर बैठे उससे पहले पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया। गुजरात में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा रखा है। दैनिक मामलों में दर्ज की जाने वाली रिकॉर्ड वृद्धि के बाद राजकोट की स्थिति चिंताजनक हो गई है। इस बीच कांग्रेस विधायक ने सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि उपलेटा-धोराजी क्षेत्र के सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टरों ने कोरोना के गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए इंजेक्शन की ऑनलाइन मांग की गई। वसोया ने आरोप लगाया कि मांग के मुकाबले सिर्फ १० प्रतिशत इंजेक्शन पहुंचाया गया जिसकी वजह से मरीजों की मौत दर्ज की जा रही है।

इतना ही नहीं राजकोट के उपलेटा और धोरादी में मौजूद कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की कमी दिखाई दे रही है। गुजरात सरकार धोराजी-उपलेटा के साथ भेदभाव की नीति अपना रही है जिसके खिलाफ कांग्रेसी विधायक ने अनशन पर बैठने का फैसला किया था। लेकिन वह डिप्टी कलेक्टर कार्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठे उससे पहले पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)